

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 61+3 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 61+3 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 0256415

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : MOHAN LAL

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

हिंदी

तारीख
Date

27-Aug-2023

**सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)**

केंद्र
Centre

Raipur

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
<p>परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)</p>	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बारह प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH**.

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

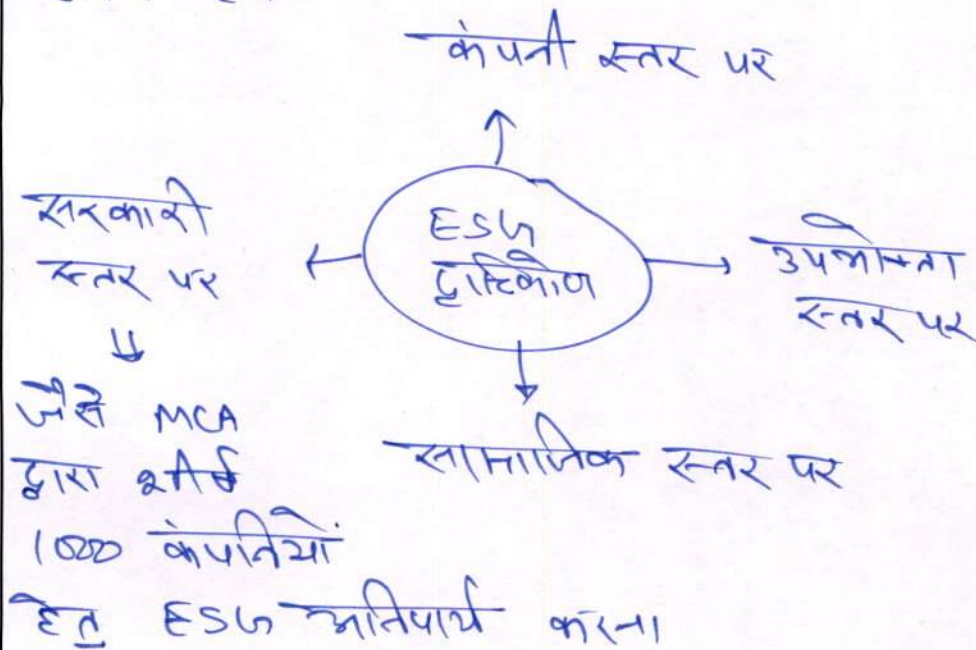
All the Best

1. (a) आगामी वर्षों में प्रभावी कॉर्पोरेट गवर्नेंस को लागू करने के लिए, ESG (पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस) मैट्रिक्स को बहु-हितधारक दृष्टिकोण के साथ एकीकृत करना क्यों महत्वपूर्ण है? ऐसे एकीकरण से क्या लाभ हो सकते हैं? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

For effective corporate governance to take place in the coming years, why is it important to integrate the ESG (Environmental, Social, and Governance) metrics with the multi-stakeholder approach? What benefits can be accrued by such integration? (Answer in 150 words) 10

ESG मैट्रिक्स में पर्यावरण

प्रभाव, सामाजिक प्रभाव कावलन तथा कॉर्पोरेट गवर्नेंस मानकों का सम्मन्ध होता है.



प्रमुख कारण

- ① समाज → पर्यावरण ← नैतिक लाभ

↓ ↓

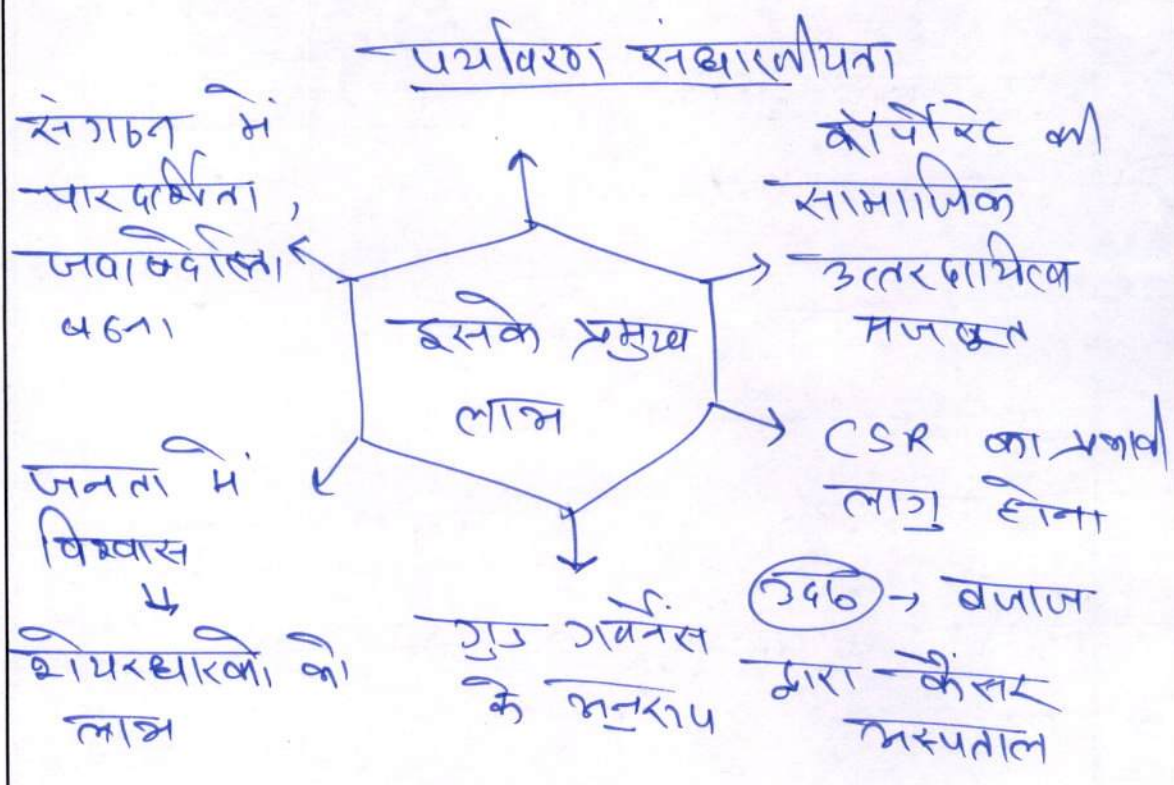
कारित्व लाभ

(सतत पर्यावरण के प्रति) पॉल्यूटर के संबंधीयता
- ② पर्यावरणीय प्रभाव कावलन (ESR) को शामिल कर पर्यावरणीय नीतिबद्धता पर कार्य करना

③ सामाजिक दृष्टीक्षेप (जोडीजी) के अनुकूल \Rightarrow गरीबी (↓) \Rightarrow गवर्नेंस सुधार

④ सरकार - संगठन - सामाजिक कार्यकर्ता में सामंजस्य

③५० रिलायंस कॉर्पोरेट का ESH प्रतीक \Downarrow
जल सुरक्षा योजना, गुजरात



जातक है कि MCA का ESH गार्डिलार्डिन प्रभावी उपकरण कॉर्पोरेट गवर्नेंस में सुधार के साथ-साथ वैल्यू आधिकारताओं को बढ़ा देगा।

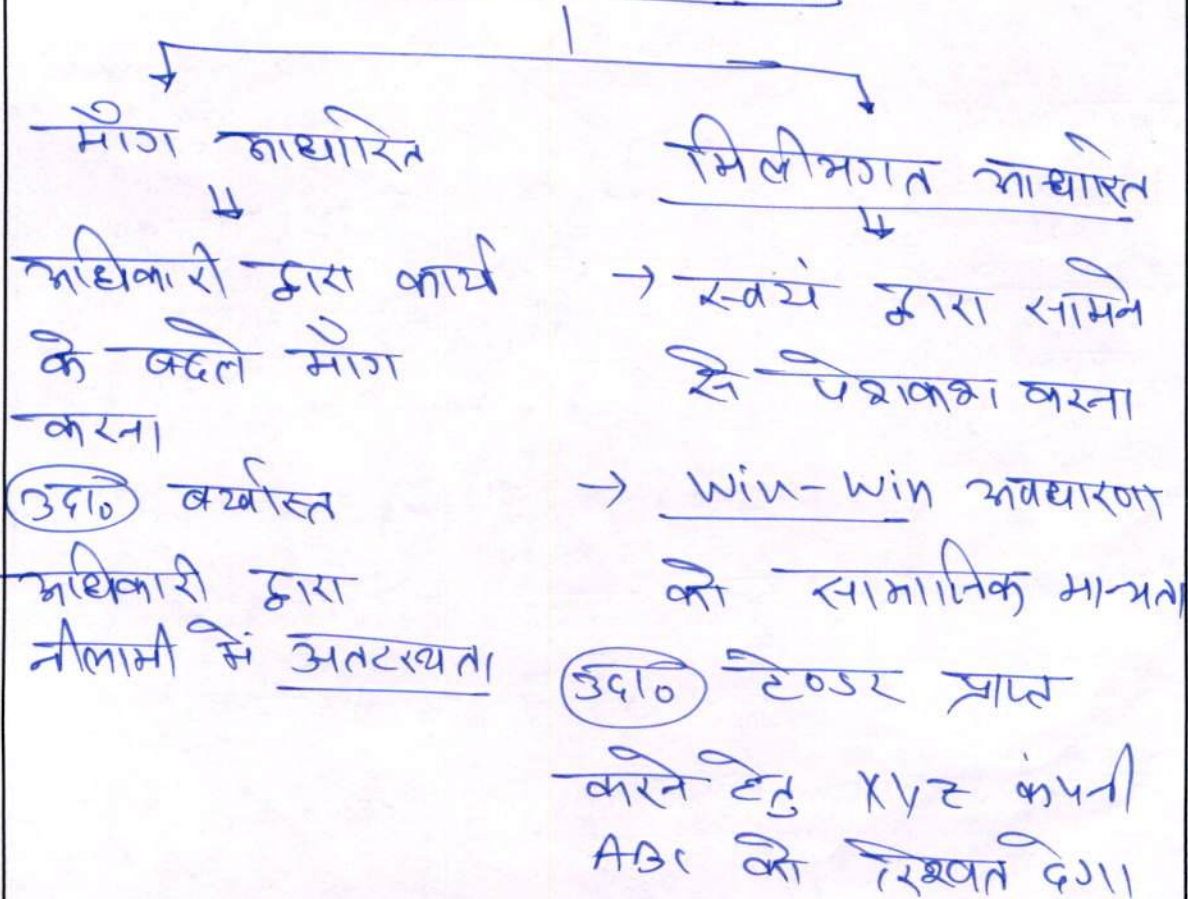
1. (b)

भ्रष्टाचार के कृत्यों में, मुख्य ध्यान केवल इसके मांग पक्ष अर्थात् निजी लाभ के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने वाले सार्वजनिक अधिकारियों पर होता है। वहीं प्रायः आपूर्ति पक्ष पर कम ध्यान दिया जाता है। वे लोग जो रिश्वत देते हैं उन्हें कभी-कभी निर्दोष पक्षकार और चालाक लोक सेवकों की जबरन वसूली क्रिया के शिकार के रूप में चित्रित किया जाता है। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि 'मिलीभगत से संचालित भ्रष्टाचार', जिसमें स्वेच्छा से रिश्वत देने वाला भी शामिल होता है, भ्रष्टाचार से निपटने वाली संस्थाओं के लिए एक विकट चुनौती है? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In acts of corruption, the focus is often only on the demand side of the equation, on public officials who abuse their office for private gain. Frequently, the supply side is given less attention. Those who pay bribes are sometimes depicted as innocent parties and victims of extortionary practices of wily public servants. Do you agree that 'collusive corruption', in which there is a willing bribe-giver, is a formidable challenge for institutions fighting corruption? (Answer in 150 words) 10

अपने पद अथवा क्षमता का दुरुपयोग कर व्यक्तिगत हितों को साधना भ्रष्टाचार है।

भ्रष्टाचार के रूप



मिलीभगत आधारित प्रत्यचार में चुनौती

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

- ① पता लगाना मुश्किल
↓
- ② विदेशी एलएच का अभाव
- ③ रिश्त देने व लेने वाले द्वारा सार्वजनिक स्थलों की जगह निजी स्थलों को अपनाना
- ④ सरकारी लेख का अनुचित लाभ उठाना
- ⑤ उदा० राजस्थान के दोसा में सड़क निर्माण हेतु डेक्रेटर द्वारा SDA को रिश्त देना
- ⑥ पहचान के साथ त्रिवारण समस्या
- ⑦ अन्य
 - सिस्टम द्वारा मात्रता (एम् 57. हिस्सेदारी का रिश्त)
 - उत्पन्न द्वारा मात्रता

आगे की राह

- प्रत्यचार त्रिवारण आधी 1988 में संबोधन कर 'मिलीभगत प्रत्यचार' को परिभाषित करना (2019 में)
- संबोधन तथा गैर जमातती अपराध बनाना
- प्रेसीग्रीनी द्वारा पहचान बनाने

2. (a)

नागरिक चार्टर पहल उन समस्याओं के समाधान हेतु दीर्घकाल से जारी खोज की प्रतिक्रिया थी, जिनका सामना एक नागरिक को सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने वाले संगठनों के साथ जुड़ते समय प्रतिदिन करना पड़ता था। लेकिन भारत सरकार में नागरिक चार्टर की शुरुआत और कार्यान्वयन पुरानी नौकरशाही व्यवस्था एवं कार्यबल के कठोर रवैये के कारण मुश्किल रहा है। नागरिक चार्टर पहल को लागू करने में आने वाली प्रमुख बाधाओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The Citizens' Charters initiative was a response to the quest for solving the problems, which a citizen encountered, day in and day out, while dealing with the organisations providing public services. But the introduction and implementation of Citizens' Charters in the government of India has been difficult due to the old bureaucratic set up and the rigid attitudes of the work force. Discuss the major obstacles that have been encountered in implementing the Citizens' Charter initiative. (Answer in 150 words)

10

नागरिक चार्टर का तात्पर्य संगठन द्वारा उसके दायित्वों तथा उपभोक्ताओं तथा ग्राहकों के अधिकारों के समुच्चय से है।

इसकी शुरुआत 1997 के Com में हुई लेकिन प्रगति बहुत धीमी है।

इसमें प्रमुख बाधाएँ

(A) विधिक बाधाएँ :-

- कानून द्वारा समर्थन नहीं
- कोई विशिष्ट विनियमन नहीं

(B) प्रशासनिक बाधाएँ :-

- सेवा प्रणाली प्रदायता की ज़रूरत तथा मात्रा अपरिष्कारित
- स्तरीय नौकरशाही मानसिकता।

(उदा०) → अनेक विभागों में लागू नहीं।

① कार्यकारी चुनौतियाँ

- जटिल भाषा (अंग्रेजी का प्रयोग व क्षेत्रीय भाषा का प्रयोग न करना)
- अपडेटेशन नहीं (उदा० - बैंकिंग क्षेत्र में 2008 के बाद कोई नई गारंटीकरण नहीं)
- उपभोक्ताओं की जागीरारी नाममात्र (उदा० - C.C. क्लॉक समय परामर्श न करना)
- बाह्यता का अभाव (भाग नैतिक आधार से व्यवहार में न आना)

- ② अन्य बाधाएँ -
- स्व त्वटीकरण अभाव
 - जन जागरूकता की कमी
 - नई व्यवस्था को सिटीजन चार्टर में शामिल न करना

भाग की राह

- ① सिटीजन चार्टर विधेयक तथा समिति का निर्माण करना
- ② कॉर्पोरेट गवर्नेंस मानक (ESG) में CC की अनिवार्यता लागू करना
- ③ समीनार, चारुड एम्बेलेड्ड द्वारा जागरूकता

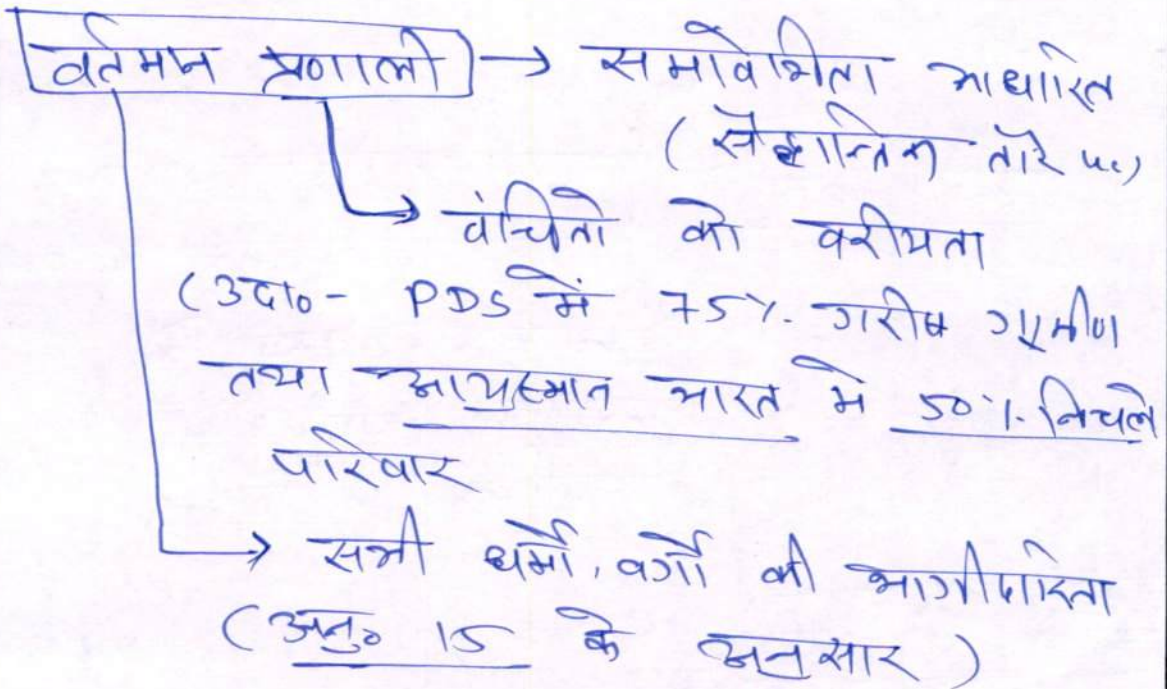
2. (b)

सार्वजनिक सेवा वितरण की गुणवत्ता वर्ग, जाति, धर्म आदि के आधार पर विभाजित अत्यधिक विषमतापूर्ण समाज में कमजोर वर्गों के जीवन की गुणवत्ता का एक प्रमुख निर्धारक है। इस पृष्ठभूमि में, क्या आपको लगता है कि भारत में कमजोर वर्गों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सार्वजनिक सेवा वितरण कुशल और पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Quality of public service delivery is a major determinant of the quality of life of vulnerable sections in a highly unequal society divided along the lines of class, caste, religion, etc. In this background, do you think that public service delivery is efficient and sufficient enough to improve the lives of vulnerable groups in India? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों के इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सर्वोदय की परिकल्पना पर आधारित सार्वजनिक सेवा प्रणाली के प्रति PWD, बच्चे, SC/ST, महिला, ट्रांसजेंडर जैसे सुश्रम्य वर्गों की सार्वजनिक सेवाओं की



इसमें **प्रमुख चुनौतियाँ** जो इसकी कुशलता व पर्याप्तता को प्रभावित करती हैं :-

① लाभित वितरण प्रणाली :- डॉ. अशोक

उम्मीदवारों को इस हार्गिर् में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2) आधार की अनिर्धारिता :- बिना आधार (Aadhar) वाले कमजोर व्यक्ति सेवा से बाहर

3) सरकारी सीमित संसाधन :-

(उदा०) - वृद्धावस्था पेंशन योजना की अपर्याप्तता (2040 तक 161. वृद्ध जनसंख्या)

4) सेवा वितरण प्रणाली में असाधारण :-

(उदा०) -
 → व्यापक होटल (शिक्षा)
 → FCI जोखिम होटल (खाद्यान्न)

5) अन्य बाधाएँ :-
 → नौकरशहारी विधिलता
 → वर्ग आधारित असाधारण
 → राजनीतिकरण
 → सेवा की निम्न गुणवत्ता

(उदा०) मिड डे मिल में बाल की निम्न गुणवत्ता पाया जाना।

आगे की राह

→ मानवीय नीतिशास्त्र कार्यामां को शामिल करना
 → कारण व लक्ष्य मूल्यों को बताना
 (उदा० - उत्साहदांग प्रति द्वारा मछिपर में 100 km सड़क निर्माण)
 → गुणवत्ता सुधार के साथ सार्वजनिक सेवा गारंटी नहीं पारित कर्ना

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a) "बुद्धिमान व्यक्ति अपने धन का संचय नहीं करता है। जितना अधिक वह दूसरों को देता है, उतना ही अधिक उसके पास अपने लिए होता है।" - लाओत्से (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The wise man does not lay up his own treasures. The more he gives to others, the more he has for his own." - Lao Tzu (Answer in 150 words) 10

परोपकारिता परार्थमुलक

सुखवाद के रूप में है जिसके

अंतर्गत दूसरों की सुखी में स्वयं की सुखी की अनभूति करना है।

इसलिए गान्धीजी का

भी दूसरीविप सिद्धांत के तहत भानता

था कि एक नैतिक, विवेकी तथा

बुद्धिमान व्यक्ति अपनी भावश्यकता

के अधिक धन को कामजोर वर्गों

में बाँट देना चाहिए।

हालिया उदा

→ शिक्षा रूपी धन का वितरण नैतिक समाज का मिमिण करता है
(उदा - सेत सदगुरु की शिक्षा।)

→ CSR के रूप में केपनिमों द्वारा

ESG हेतु धन उनकी लाभप्रदान

→ तथा विश्वास को बढ़ाता है,
जिससे अंतर के मूल्य
के रूप में बढ़ी होती है

(34) ⇒ विश्व कंपनी (प्रैमज) का
विनास

इसके नैतिक यदि परिवर्तन
स्तर पर चर्चा करें तो मूल्यों (+ve)
का बन्धो में स्थानान्तरण से उनमें
+ve अनिश्चित तथा अनिश्चित का
निर्माण होता है जिससे अगली
पीढ़ी में नैतिकता का समावेश
होता है। एवं अधिक नैतिक धर्म
का सृजन होता है।

उम्मीदवारों को
इस हार्गिण में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

3. (b)

"यदि शीर्ष पर अपर्याप्त नैतिकता है, तो इस व्यवहार का संगठन में उच्च से निम्न स्तर तक अनुसरण होता है।"

- रॉबर्ट नॉयस (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"If ethics are poor at the top, that behavior is copied down through the organization." - Robert Noyce (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस कक्ष में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जिसी संगठन भयवा समाज में नैतिकता के भी संबंधों की तरह एक स्तरीय प्रक्रिया है।

उदा० ⇒ कोई कंपनी (A) (रिलायंस)

कंपनी (B) Yes Bank

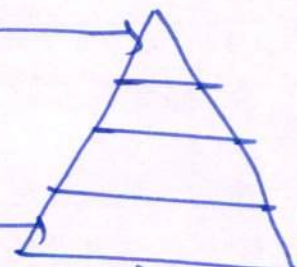
→ CEO, MD से हा तक नैतिक मानकों (जवाबदेहिता, पारदर्हिता का पालन) ↓ नैतिकता की स्थापना ↓ संगठन का लाभ।

→ CEO द्वारा स्थापित में लोन देना ↓ बैंक की बलेंस शीट बिगड़ना ↓ निम्ने कर्मचारी भी कार्य के प्रति उत्साह नहीं ↓ बैंक का दिवालियापन

इसके प्रतिरूप प्रभावसन में भी प्रती स्थिति है। जैसे

उच्च स्तर

निम्न स्तर



पारदर्हिता (A)
नैतिकता (A)
असत्यता (A)

16

वही यदि उच्चस्थ भाषावारी अस्त
है तो पूरा सिस्टम अस्तचार में
लेलित होगा।

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

इसी तरह सामाजिक जीवन
के लेवर्न में विचार करें तो
हमें नजर आता है कि

उच्च आदर्श वाला
समाज ↓

सहिष्णुता का सम्मान
↓

अपना भारतीय समाज
की हजारी साब
की निरन्तरता

काहूवाकी समाज
↓

नैतिकता की जगह
धर्मिय रक्षिते
↓

हिंसा पर बल
↓

सामाजिक संगठन
नैतिक

उदा - उड्ड का
पतन

अतः नैतिकता वह
कुछ है जिसे यदि उच्च स्तर
पर लगाया जाए तो नीचे के
सभी नैतिक प्रवाण स्वतः ही प्रल
जाते हैं।

3. (c)

"कानून का उद्देश्य स्वतंत्रता को समाप्त करना या सीमित करना नहीं है, बल्कि इसे संरक्षित करना और बढ़ाना है।" - जॉन लॉक (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)
"The end of law is not to abolish or restrain, but to preserve and enlarge freedom." - John Locke
(Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस कक्ष में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

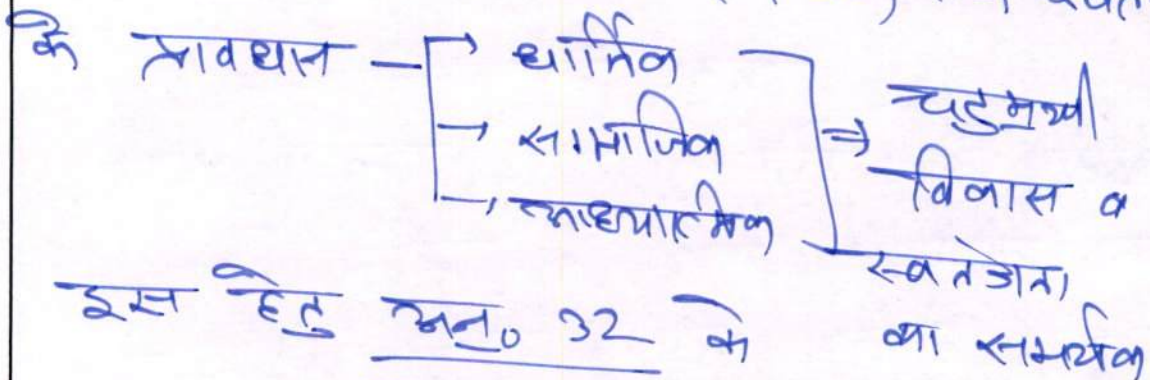
10

कानून यह निर्धारित करता है कि क्या करना है और क्या नहीं करना है।

चूंकि कानून का निर्माण सामाजिक मानकों से माना जाता है

इसलिए सामान्यतया यह देखा जाता है कि कानून स्वतंत्रता का समर्थक है न कि सीमितकारक।

(36/10) भारतीय संविधान में अनुच्छेद 14-18 (समानता) तथा (19-22) तथा स्वतंत्रता के प्रावधान



इस हेतु अनु. 32 के तहत उपचारों की गारंटी भी दी गई है।

हालांकि सभी की स्वतंत्रता

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सुनिश्चित करने हेतु इस पर कुछ प्रतिबंध भी लगाए जाते हैं ताकि सार्वभौमिक स्वतंत्रता के सिद्धांत का पालन ले सकें।

(3410) भारत में इस संबंध में प्रावधान (19(2) में प्रावधान)

कानून

- नागरिक अधिकार अधिनियम 1955 (1978 में संशोधित) ⇒ असह्यता का अंत
- सार्वजनिक संपत्ति का सुरक्षण ⇒ देशहित व राजहित

अतः कानून स्वतंत्रता, समता के अभाव को बचावा देता है।

कुछ परिस्थितियाँ जहाँ कानून व स्वतंत्रता विपरीत हो :-

- आपातकालीन प्रावधान (अनुच्छेद 352)
- राष्ट्र की संप्रभुता व एकता हेतु
- राष्ट्र की सुरक्षा हेतु।

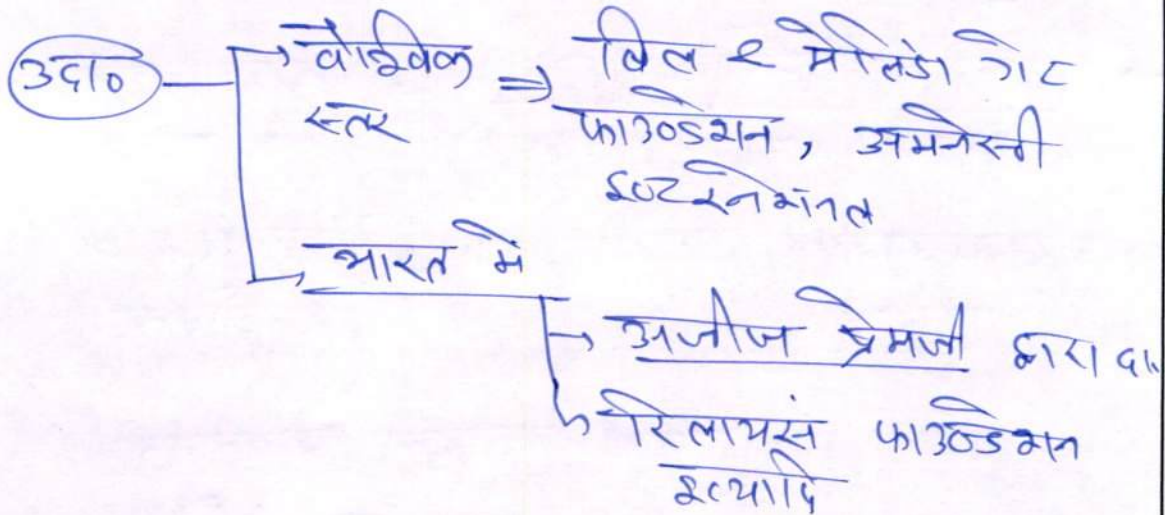
4. (a) दुनिया भर में अमीर CEOs और सफल व्यवसायों के संस्थापक तेजी से अपनी संपत्ति परोपकार के लिए दान करने का वादा कर रहे हैं। क्या आपको लगता है कि ऐसा कदम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Wealthy CEOs and founders of successful businesses around the world are increasingly pledging to give away their wealth in philanthropy. Do you think that such a move is sufficient enough to bring about a positive change in the society? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

विश्व बैंक की रिपोर्ट

के अनुसार वैश्विक स्तर पर करीब 2-2.5% GDP का मूल्य दान के रूप में परोपकारी मूल्यों हेतु दिया जाता है



इसका समाज पर प्रभाव

- ① सामाजिक उत्तरदायित्व का सिद्धांत प्रभावी होगा। उदा० CSR फंड की तरह
- ② दूरदर्शी सिद्धांत ⇒ गांधीवादी सोच के अनुसूप
- ③ कल्याणकारी समाज निर्माण में उदा० ⇒ टाटा कैसर दार्शनिक का निर्माण

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

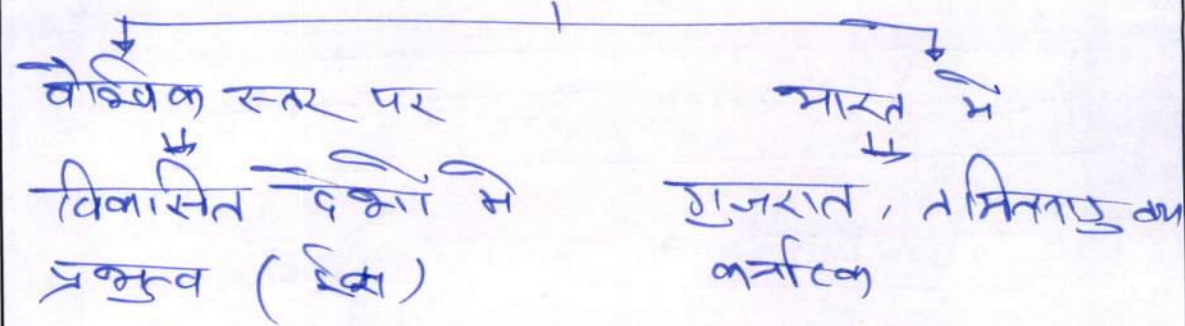
④ कॉर्पोरेट के प्रति सामाजिक विश्वास बनना \Rightarrow मानव पूंजी का विकास

⑤ कॉर्पोरेट की ESG लागत के प्रत्यक्ष में समाज कल्याण कार्य

⑥ सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का विफल प्रदान करना।

हालांकि इसमें निम्न युक्तियाँ हैं-

① बेरोजगारी विरोधी प्रयत्न



② विकसित देशों की उदति = 27%। दान धार्मिक दूर को तथा 30-35% शिक्षा व स्वच्छता पर

③ पर्यावरणीय संधारणीयता पर कम व्यय

④ कोई वैश्विक कार्य नहीं

बेरोजगारी की रोक \rightarrow सकारात्मक बदलाव \rightarrow एल
कमजोर वर्गों को प्राथमिकता
 \rightarrow कमजोर देशों (अफ्रीका व दक्षिणी एशिया) में अधिक निवेश करना

4. (b)

चूंकि दुनिया भर के संगठन अपना कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) रूपांतरण आरंभ कर रहे हैं, इसलिए AI युग में छलांग ऐसी किसी भी तकनीक की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकती है, जिससे व्यवसायों को अभी तक जूझना पड़ा है। इस पृष्ठभूमि में, निष्पक्षता, पारदर्शिता और नौकरी की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As organizations across the globe begin their artificial intelligence (AI) transformation, the leap into the AI era is expected to be more challenging than any technology that businesses have grappled with yet. In this background, discuss the concerns around fairness, transparency, and job security that may arise. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कम्प्युटर द्वारा मानवीय बुद्धि की तरह नैचुरल नेटवर्क का प्रयोग कर मानव सहाय्य व्यवहार करना कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) है।

AI के समक्ष प्रमुख चिंताएँ

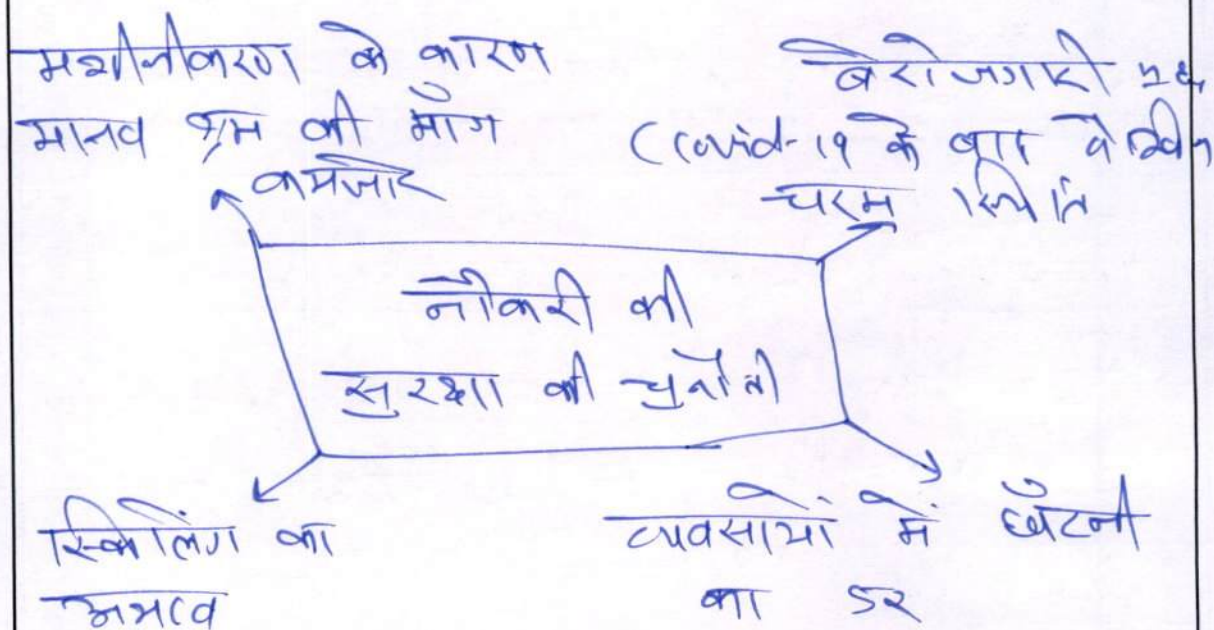
(A) निष्पक्षता के संकेध में :-

- एल्गोरिदम में पूर्वाग्रह आधारित डेटा डालना (उदा- भारत को अग्रमरी वाला देना वताना)
- डेटा में निष्पक्षता की कमी से AI आधारित निर्णय गैर निष्पक्ष होंगे
- विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों के साथ AI आधारित निष्पक्षता को कमजोर करना

13) पारदर्शिता में चिंता

1) AI मॉडल बनाने वाली कंपनी पर निर्यात के बंद किस डेटा का प्रयोग किस नेटवर्क में करेगा ॥

पारदर्शिता प्रभावित होगी
↓
व्यवसाय निर्णय लेना कठिन



भागों की राह

- तकनीक में मानवीय तैलिक मूल्यों को जोड़ना
- SDG 10 के अंतर्गत AI आधारित वैश्विक असमानता को कम करना
- Reskilling तथा upskilling कार्यक्रम चलाने के माध्यम से उदात्त Future Prime.

5. (a) शिक्षा, सामाजिक समानता और नैतिक मूल्यों पर स्वामी दयानंद सरस्वती का बल समकालीन भारत में भी सामाजिक-सांस्कृतिक विमर्श को प्रभावित करता है। उपयुक्त उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)
- The emphasis of Swami Dayanand Saraswati on education, social equality, and ethical values continues to influence the socio-cultural discourse in contemporary India. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

10

आर्य समाज (1875) तथा दयानंद सरस्वती की शिक्षाओं, मूल्यों समानता तथा समावेशिता के मूल्य आज भी प्रासंगिक हैं।

नैतिक मूल्यों व सामाजिक असमानता शिक्षा के विचारों का वर्तमान प्रभाव

विचार

शिक्षा

वर्तमान प्रभाव

→ शिक्षा का माधुनिकीकरण तथा भारतीय शिक्षा का पुनर्जागरण

→ शिक्षा में व्यावसायिक बोलचाल पर जोर

→ वेदों की वर्तमान व्याख्या

→ NEP 2020 में भारतीय नैतिक शिक्षा, प्रचीन संस्कृति के साथ-साथ विज्ञान गणित तथा

बहुविषयक क्षेत्रों पर जोर

→ कक्षा 6 से ही शुरू

सामाजिक समानता पर विचार

- ① ध्रुवमस्यूत अंत्म करना
- ② महिलाओं को शिक्षा का अधिकार
- ③ जन्म की जगह वर्म को क्रम में मान्यता प्रदान करना

- संवैधानिक आदेशों (अनुच्छेद 14, 15, 18, 19, 17)
- समान पारिस्थानिकता (ग्रामसंविदा - 2019)
- नागरिक अधिकारों का सुरक्षण अधि. 1985 स्थापित

नैतिक मूल्यों पर विचार

- मूल्य आधारित समाज का निर्माण
- सांस्कृतिक तथ्यों का सम्मान तथा संवर्धन का अर्थ

- ③६७ → ICCR द्वारा भारतीय संस्कृति का प्रसार करना
- बालकों की पुनर्वास नीति (NCPDR-2003) के तहत

इसके अतिरिक्त लोकसेवकों के प्रशासनिक अधिकारों की पूर्ति हेतु भी वर्तमान सामाजिक सांस्कृतिक विमर्श के रूप में दधानेद की शिक्षा एवं प्रशासनिक का कार्य करती हैं।

5. (b)

निम्नलिखित में से प्रत्येक पर 30 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
Write short notes on the following in 30 words each :

2 x 5 = 10

(i) लोक सेवा के प्रति समर्पण

Dedication to public service

→ अपनी क्षमता, योग्यता तथा सामर्थ्य को जन कल्याण में लगाना
(उदा - प्रशांत गायर (IAS) का कलिप्टर के भ्रमण)

→ कर्तव्यनिष्ठ, स्वयंनिष्ठ भाव से लोक नीतियों का समर्पित भाव से त्रियन्वयन करना। (उदा - मनरेगा का त्रियन्वयन)

(ii) लोक सेवा में गैर-पक्षपात

Non-partisanship in civil service

गैर-पक्षपात का तात्पर्य बिना किसी भेदभाव के वस्तुनिष्ठ मानकों पर निर्णय लेना है। इसमें स्वहित की जगह जनहित को महत्ता दी जाती है।

(उदा - नियुक्ति में भेदों को महत्त्व देना।)

(iii) निर्णय-निर्माण में वस्तुनिष्ठता

Objectivity in decision-making

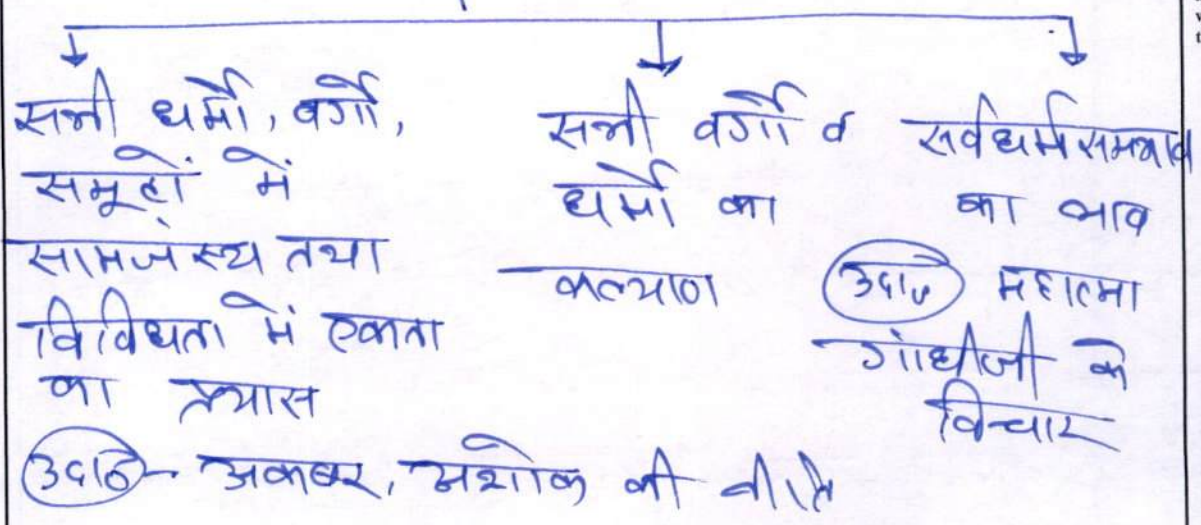
① साध्य आधारित बिना पूर्वोद्देश के निर्णय करना वस्तुनिष्ठता है।

(उदा - रोजर जारी तथा वितरण में ठेकेदार की A/A+ / B/B+ कैटेगरी के आधार पर निर्णय लेना न कि निजी हितों। परिवारजनों के समर्थन में)

उम्मीदवारों को इस हार्जिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

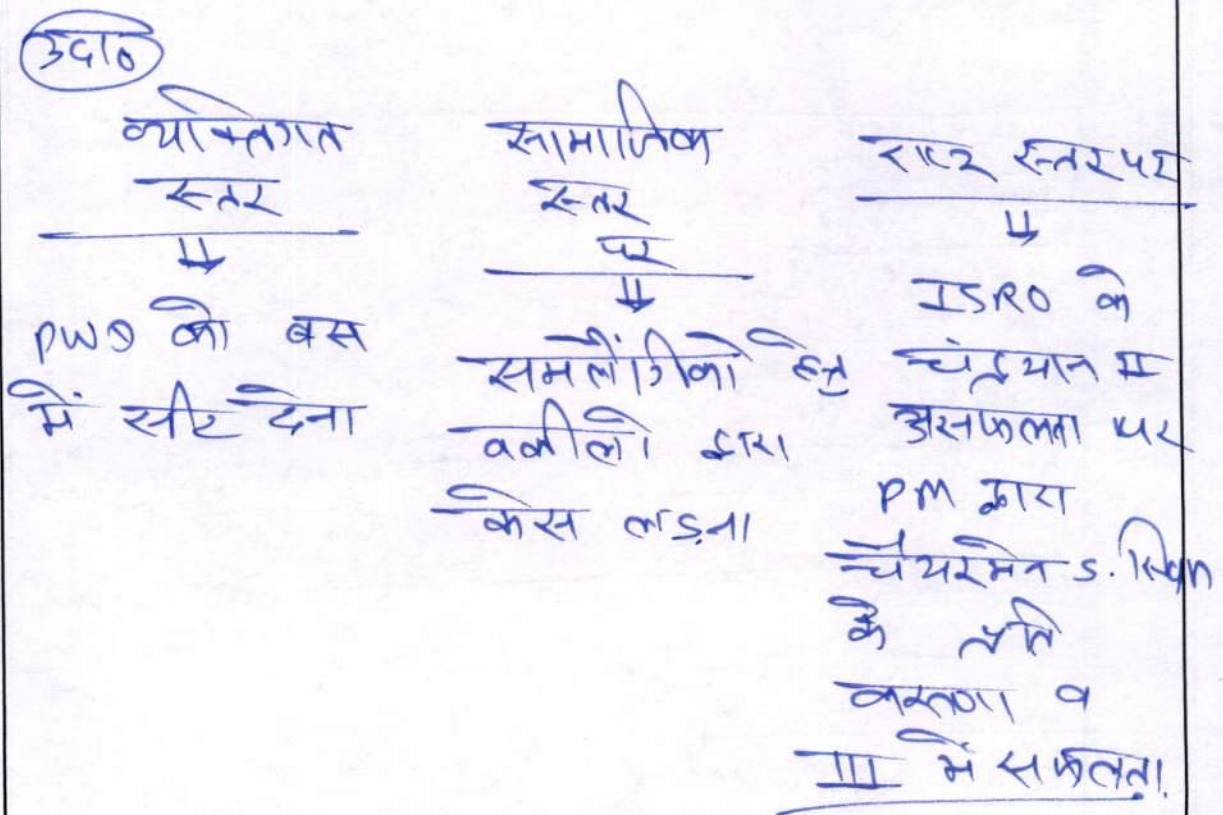
(iv) बहुलवादी समाजों में सहिष्णुता
Tolerance in pluralistic societies

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin



(v) लोक सेवा में करुणा
Compassion in public service

करुणा का अर्थ किसी के दुःख को स्वयं का समान उसको काम करने का प्रयास करना।



6. (a) भावनात्मक बुद्धिमत्ता केवल भावनाओं या बुद्धिमत्ता से जुड़ी नहीं हो सकती है। इसमें व्यक्तित्व संबंधी विशेषताओं की एक विस्तृत श्रृंखला भी शामिल हो सकती है जो पेशेवर और रोजमर्रा की जिंदगी में सफलता का पूर्वनिर्धारण कर सकती है। विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Emotional intelligence may not be singularly associated with emotions or intelligence. It can also include a broad range of personality characteristics that might predict success in professional and everyday life. Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हार्डिप में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भावनात्मक बुद्धिमत्ता का अर्थ स्वयं की भावनाओं को समझना तथा दूसरों की भावनाओं को समझना व संबंधित कर अनुकूल निर्गम लेना है

उदा० सड़क जाम पर भाषीवारी द्वारा EI व मननम से रास्ता खुलवाना

EI के अन्य तत्व जिसमें व्यक्तित्व संबंधित विशेषता व विस्तृत श्रृंखला होती है :-

① कारण → कामपौर वर्गों को सार्वजनिक सेवा प्रणाली में प्राथमिकता देना।
उदा० → कोविड-19 में बजर्गों का टीकाकरण फल सहायी द्वारा फीस न भरने पर Brotherfund से सहायता करना

② सामाजिक कौशल
प्रवासन में जन सहयोग, अपील

तथा प्रशासन अनुभूत कार्य हेतु सामाजिक कौशल प्राप्त अधिकारी प्रशासन में जनविश्वास स्थापित करता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

③ प्रेरणा (हम का ध्यान)

परिवार जिंदगी में

→ ISRO के चैयरमैन की प्रेरणा से चंद्रयान 3 की सफलता

→ JAS मनोज सोनी द्वारा रास्ता खोजने की अभियान

रोजमर्रा जीवन में

→ गरीबों द्वारा विद्यार्थियों को प्रेरित करना।

→ स्वयं के लक्ष्य के प्रति प्रेरित रहना।

इस प्रकार हम प्रशासन, समाज, कार्यक्षमता सहित त्रिकोण के में सफलता की एक पूर्ण परिघटना होते हैं जिसे जनकल्याण स्तम्भ कहते हैं।

6. (b)

राज्य के नेतृत्व वाली जवाबदेही के पारंपरिक रूप, जिन्हें जवाबदेही की ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज प्रणालियों के रूप में भी जाना जाता है, लगातार अपर्याप्त पाई जा रही हैं और उन्हें पूरक या प्रतिस्थापित करने के लिए असंख्य बहु-हितधारक और बॉटम-अप नागरिक निर्देशित दृष्टिकोण सामने आए हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Traditional forms of state-led accountability, also characterised as vertical and horizontal channels of accountability, are increasingly found to be inadequate, and a myriad of multi-stakeholder and bottom-up citizen directed approaches have come to the fore, to supplement or supplant them. Discuss with illustrations. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जवाबदेही वह नैतिक

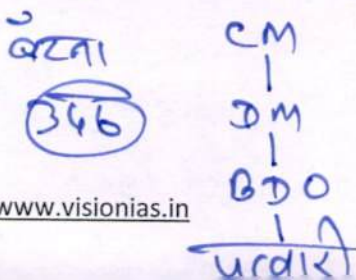
जुग हैं जिसमें निर गार कार्य के प्रति व्यक्ति/संगठन को मौखिक सिद्ध करना होता है।

राज्य जवाबदेही के पारंपरिक रूप में चुनौतियाँ

उर्ध्वाधर

→ इसमें पदसोपानियता के कारण जवाबदेही तय नहीं अधिक वैधरियन प्रशासनिक मॉडल

→ अधिक परतों के कारण जवाबदेही का



क्षैतिज - पुनर्निर्माण

→ अंतराविभाग समस्या
→ अवस्था-अवस्था जवाबदेही निर्धारण में समस्या
उदा. एक ही कार्य को 3 लोक सेवकों में बाटना।

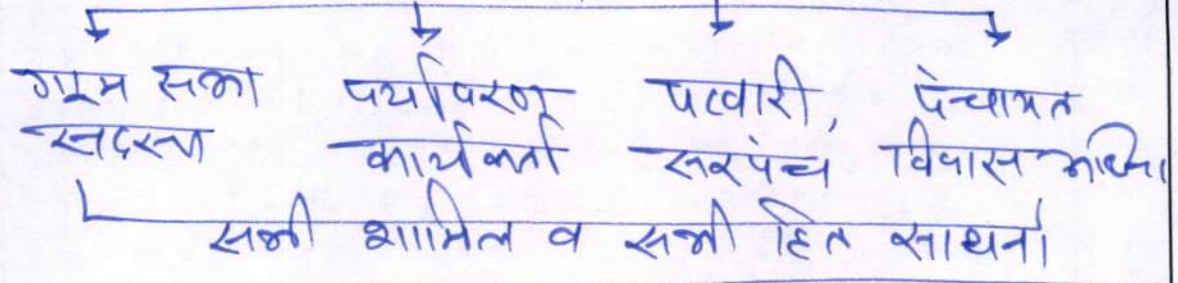
समाधान हेतु नवाचारी दृष्टिकोण

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(A) बहुहितधारक दृष्टिकोण :-

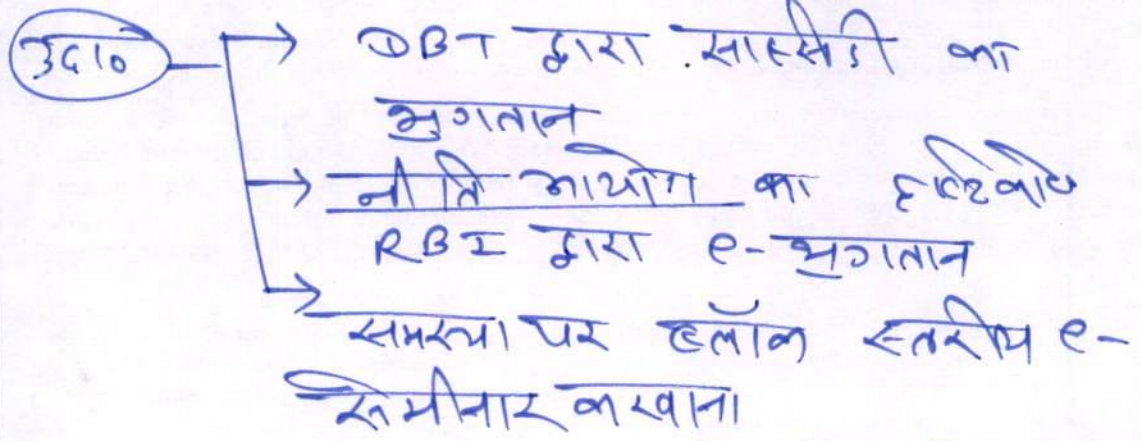
→ सच्ची वर्गी, समाज कल्याण प्रभावित समूह नीति निर्माण, निर्णय व प्रियान्वयन में शामिल

(उदा०) ग्राम सभा द्वारा VAP (विलेज एम्प्लान प्लान)



(B) बॉटम - उप नागरिक निर्देशित दृष्टिकोण

→ धरातल स्तर पर प्रभावी नीति निर्णय हेतु सच्ची नागरिकों की सहभागिता से निर्णय लेना।



इससे समाविष्टता के साथ-साथ प्रशासन का जनोन्मुखीकरण,

अवधिपूर्वता तथा पारदर्शिता सुनिश्चित होगा।

7.

भारत के एक महानगरीय शहर में, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने अपनी अपराध-रोधी क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक को अपनाने का निर्णय लिया। उन्होंने चेहरे की पहचान की एक प्रणाली लागू की जिसे शहर भर में मौजूदा निगरानी कैमरों के साथ एकीकृत किया गया। इसने व्यक्तियों की रियल टाइम आधारित पहचान और ट्रैकिंग को सक्षम बनाया। इस प्रणाली का उद्देश्य ज्ञात अपराधियों, लापता व्यक्तियों और चल रही जांच में संदिग्धों की पहचान करने में सहायता करना था।

एक शाम, किसी महिला ने लूटपाट की एक घटना की सूचना दी, जहां अपराधी ने एक हुडी पहनी थी, जिससे उसका अधिकांश चेहरा स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहा था। पीड़िता ने पुलिस को एक अस्पष्ट विवरण प्रदान किया और उस जानकारी के आधार पर, अधिकारियों ने संभावित संदिग्धों का पता लगाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक का उपयोग करने का निर्णय लिया। सिस्टम ने अपराध स्थल के पास विभिन्न स्थानों से प्राप्त निगरानी कैमरों की फुटेज को गहनता से स्कैन किया।

चेहरे की पहचान एल्गोरिथ्म ने संभावित मिलानों की एक सूची तैयार की और एक व्यक्ति की छवि सामने आई, जो पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए विवरण के साथ मेल खा रही थी। पुलिस ने उस व्यक्ति को मुख्य संदिग्ध माना और उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद, यह पता चला कि गिरफ्तार व्यक्ति निर्दोष था। आगे की जांच से पता चला कि चेहरे की पहचान प्रणाली ने प्रौद्योगिकी की सीमाओं और पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए आंशिक विवरण के कारण निर्दोष व्यक्ति की गलत पहचान की थी। पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्ति को रिहा कर दिया; फिर भी उसकी प्रतिष्ठा जीवन भर के लिए कलंकित हो गई। उसे उसके परिवार सहित, उसके वर्तमान निवास स्थान से बेदखल कर दिया गया था। इस घटना का मनोवैज्ञानिक प्रभाव अत्यधिक गहरा है जिसके कारण उसकी नौकरी भी खतरे में है।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

- (a) इस प्रकरण में शामिल मुद्दे कौन-से हैं?
 (b) ऐसी प्रौद्योगिकियों को अपनाने के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?
 (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In a metropolitan city of India, the law enforcement authorities decided to adopt facial recognition technology to improve their crime-fighting capabilities. They implemented a facial recognition system that integrated with existing surveillance cameras across the city, allowing real-time identification and tracking of individuals. The system was intended to assist in identifying known criminals, missing persons, and suspects in ongoing investigations.

One evening, a woman reported a mugging incident where the perpetrator wore a hoodie, obscuring most of his face. The victim provided a vague description to the police, and based on that information, the authorities decided to use facial recognition technology to locate potential suspects. The system scanned through hours of surveillance footage from various locations near the crime scene.

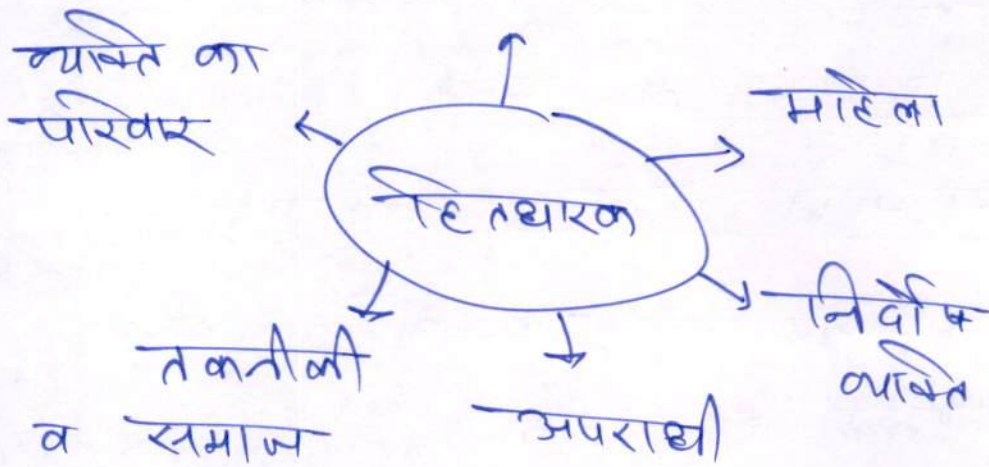
The facial recognition algorithm generated a list of potential matches, and one individual's image stood out as a close match to the description provided by the victim. The police considered this individual a prime suspect and proceeded with his arrest. Subsequently, it was discovered that the arrested person was innocent. Further investigation revealed that the facial recognition system had misidentified the innocent individual due to the limitations of the technology and the partial description provided by the victim. The police released the arrested individual; still his reputation got tarnished for life. He, along with his family, was evicted from their current place of residence. The psychological impact of the incident has been tremendous owing to which his job is also on the line.

With reference to this case study, answer the following:

- (a) What are the issues involved in this case?
(b) What measures can be taken to minimize the negative implications of adopting such technologies? (Answer in 250 words)

20

इस केस स्टडी में व्यक्तिगत महिलाओं तथा उस पर प्रौद्योगिकी के प्रभावों से पड़ने वाली नकारात्मक मनोस्थिति को दिखाया गया है, जिसमें प्रमुख कानून प्रवर्तन महिलाएँ



(a) इसमें शामिल मुद्दे

- ① व्यक्ति के दोष सिद्ध के संबंध में सुरक्षा तथा गिरफ्तारी से सुरक्षा का मुद्दा (अनु 20 & 22)

- ② प्रौद्योगिकी का पैठ तथा सीमाओं का मुद्दा (जैसे- FRT द्वारा निर्देश व्यक्त को गलत एलगोरिथम द्वारा पसान)
- ③ प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का उल्लंघन का मुद्दा
- ④ गैरमापूर्ण जीवन का अधिकार का मुद्दा (अनु. २१ के तहत)
- ⑤ निवास का मुद्दा (वेदथली से अनु. १९१(५) का हनन)
- ⑥ सामाजिक प्रतिष्ठा का मुद्दा
- ⑦ मनोवैज्ञानिक तनाव का कारण स्वास्थ्य का मुद्दा।
- ⑧ कानून प्रवर्तन क्षमता में कमी का मुद्दा
- ⑨ मन्य मुद्दे
- तकनीक का गलत उपयोग
 - महिला गैरमा व अधिकारों का मुद्दा
 - कानून व्यवस्था का मुद्दा।

6 इनकी नकारात्मकता कम करने के उपाय

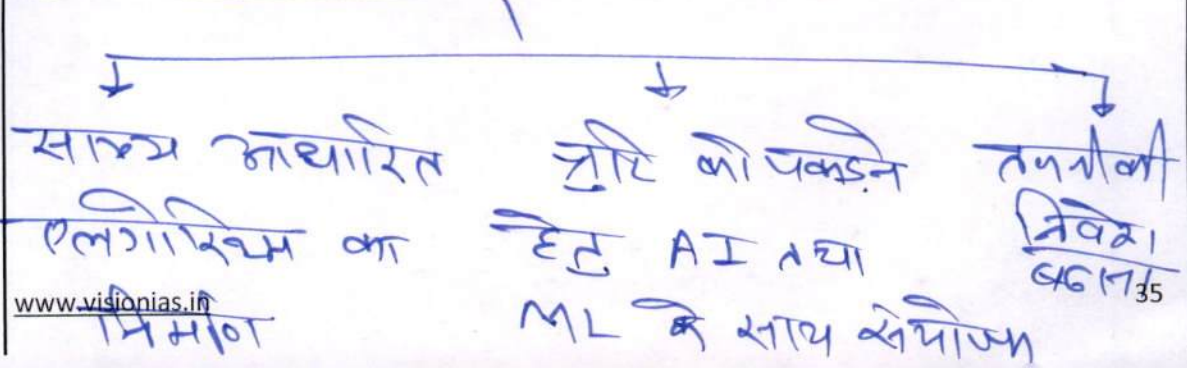
1 कानूनी स्तर पर :

- जैवैतिकी उपयोग हेतु कानून लाना (उदा- DNA प्रयोग विनियमन - 2023)
- कहीं, कौन तथा किस प्रकार जैवैतिकी उपयोग करनी है, की स्पष्टता होना।

2 संस्थागत स्तर पर :

- कानून प्रवर्तन निकायों को प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण
- तकनीकी आधारित जांच केंद्र बनाना (विशेषज्ञों को नियुक्ति)

3 तकनीकी स्तर पर :



④ श्रियात्वधन हतर पर:

→ केवल मात्र तकनीकी साक्ष्य ही तो दोष सिद्धि करार न देना।

→ भारतीय साक्ष्य अधिनियम - 1872 में सेवोधन कर तकनीकी साक्ष्यों को आंशिक मान्यता देना।

इस प्रकार व्यक्तिगत से इस समस्या से निपटकर कानून प्रवर्तन एजेंसियाँ

के एक मजबूत व प्रभावी तकनीकी का प्रयोग किया जा सकता है।

8.

रीना और उसके कॉलेज के दोस्त पिछले कुछ महीनों से एक कंपनी में इंटर्न के रूप में काम कर रहे थे। इंटर्नशिप पूरी होने पर रीना समेत उनमें से कुछ को कंपनी में पूर्णकालिक नौकरी की पेशकश की गई है। एक प्रतिष्ठित कंपनी होने के नाते, उसने और उसके दोस्तों ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। रीना अपनी नई नौकरी को लेकर उत्साहित है और उसने अपनी इंटर्नशिप के दौरान अपनी कंपनी के कुछ सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध भी स्थापित किए हैं। हालांकि, एक इंटर्न के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, रीना ने नोटिस किया था कि कंपनी के वाइस प्रेसीडेंट्स (VPs) में से एक उस पर बहुत अधिक ध्यान दे रहा था। वह रीना के कक्ष में रुकने और बातचीत करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करता था, यह व्यवहार वह किसी अन्य इंटर्न के साथ नहीं कर रहा था। उसने सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर भी रीना से जुड़ने की कोशिश की थी। उसके कुछ को-इंटर्न ने भी इस पर ध्यान दिया और VP द्वारा दिए जा रहे अतिरिक्त ध्यान के बारे में रीना पर अनाप-शनाप टिप्पणियां करना शुरू कर दिया।

अब जब उसे पूर्णकालिक पद पर नियुक्त कर लिया गया है, तो उसे डर है कि उसे सीधे इस VP के साथ काम करना पड़ सकता है। हालांकि, VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी अनुचित नहीं किया है या कहा है, अतिरिक्त ध्यान दिए जाने और उसके सहकर्मियों द्वारा भी इस पर ध्यान दिए जाने के कारण वह बहुत असहज हो गई और कार्य पर उसकी एकाग्रता कम हो गई।

कंपनी एक खुले और मैत्रीपूर्ण माहौल को प्रोत्साहित करती है और जब उसे काम पर रखा गया था, तो उसे बताया गया था कि जब भी काम से संबंधित किसी भी असुविधाजनक समस्या का सामना करना पड़े तो उसे हमेशा अपने प्रबंधक से बात करनी चाहिए। हालांकि, वह इस बारे में आधिकारिक तौर पर बोलने को लेकर चिंतित है, क्योंकि VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी गलत नहीं किया है।

दी गई स्थिति में:

- रीना को किन दुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है?
- उसके पास क्या विकल्प हैं? प्रत्येक के गुण और दोष बताइए।
- उसके द्वारा अपनाई जाने वाली कार्रवाई को रेखांकित कीजिए, साथ ही उसका औचित्य सिद्ध कीजिए।
(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Rina and her friends from the college were working as interns with a company for the last few months. On completion of their internship, some of them, including Rina, have been offered full-time jobs in the company. Being a reputed company, she and her friends accepted the offer. Rina is enthusiastic about her new job and has even established good relationship with some of her company co-workers during her internship. However, during her tenure as an intern, Rina had begun to notice that one of the Vice-Presidents (VPs) of the company was giving her too much attention. He used to make an extra effort to stop by Rina's cubicle and chat, something he was not doing with any of the other interns. He had even tried to connect with Rina over social networking sites. Some of her co-interns also noticed this and began to make offhand comments to Rina about the extra attention being given by the VP.

Now that she has been hired for a full time position, she is fearful that she might have to work with this VP directly. While he has not done or said anything explicitly inappropriate, the extra attention and the fact that her co-workers noticed it, made her very uncomfortable and undermined her concentration at work.

The company encourages an open and friendly atmosphere and when she was hired, it was communicated to her that she should always speak to her Manager whenever faced with any uncomfortable work related issues. However, she is concerned to speak about it officially, as the VP has not explicitly done anything wrong.

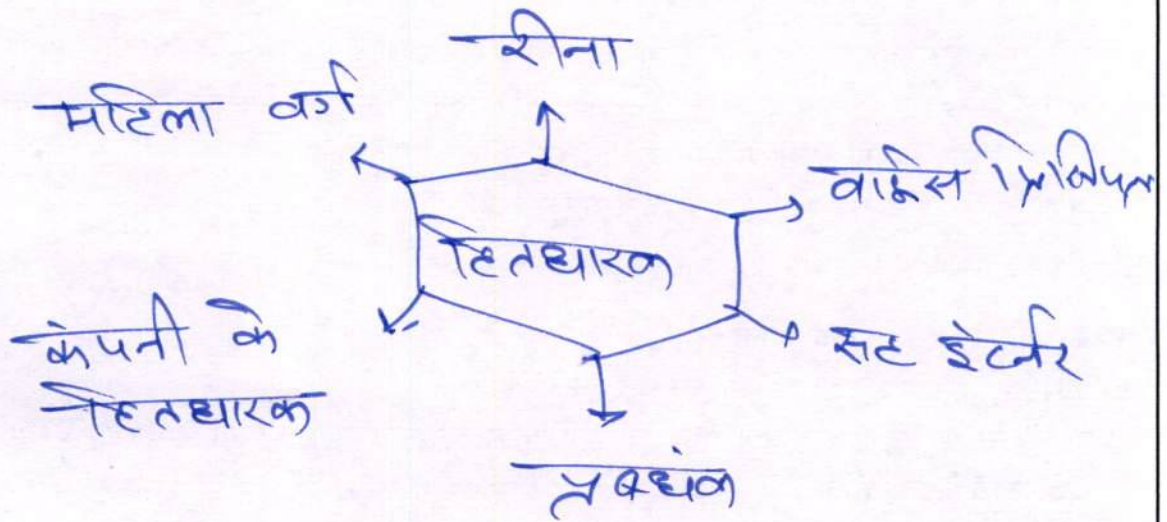
In the given situation:

- (a) What dilemmas does Rina face?
 (b) What options does she have? Provide the merits and demerits of each.
 (c) Highlight the course of action she should adopt, along with justification for the same.
 (Answer in 250 words)

20

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
 Candidates must not write on this margin

उपरोक्त केस स्टडी
कार्यस्थल पर यौन शोषण की शिकायत
 महिला अधिकारियों तथा कंपनी बॉर्डर
 के उत्तरदायित्व से संबंधित मुद्दों को
 रेखांकित करती है।



⑤ रीना द्वारा सामना की जाने वाली प्रविधायें

- ① अस्पष्ट यौन शोषण की शिकायत
- ② सह-कर्मियों द्वारा अनाप-शनाप टिप्पणियाँ करना
- ③ VP के व्यवहार को न समझ पाने में असमर्थता।

4 स्वयं के गैरिमापूर्ण जीवन क्लाम
भाबंका द्विद्विषा का मुषा

5 स्वहित क्लाम स्वहित
↓ ↓
नोकरी स्वयं की शुभत

6 असहजता तथा लकाग्रता की
दुविषा

7 साधन vs साध्य का मुषा
↓ ↓

उदा० रीना को हो सकता है
भाबंका बि VP VP रीना में
गर्भक ह्यत के लक्ष कुष्व अतिरिक्त
रेलेंट (व्यावसायिक कामता) को महसूस करे।

8

रीना के पास उपलब्ध विषय

1 रीना इसकी जानकारी प्रबंधक को दे :-

गुण

→ प्रबंधक की जिम्मेदारी

→ त्वरित प्राथ

दोष

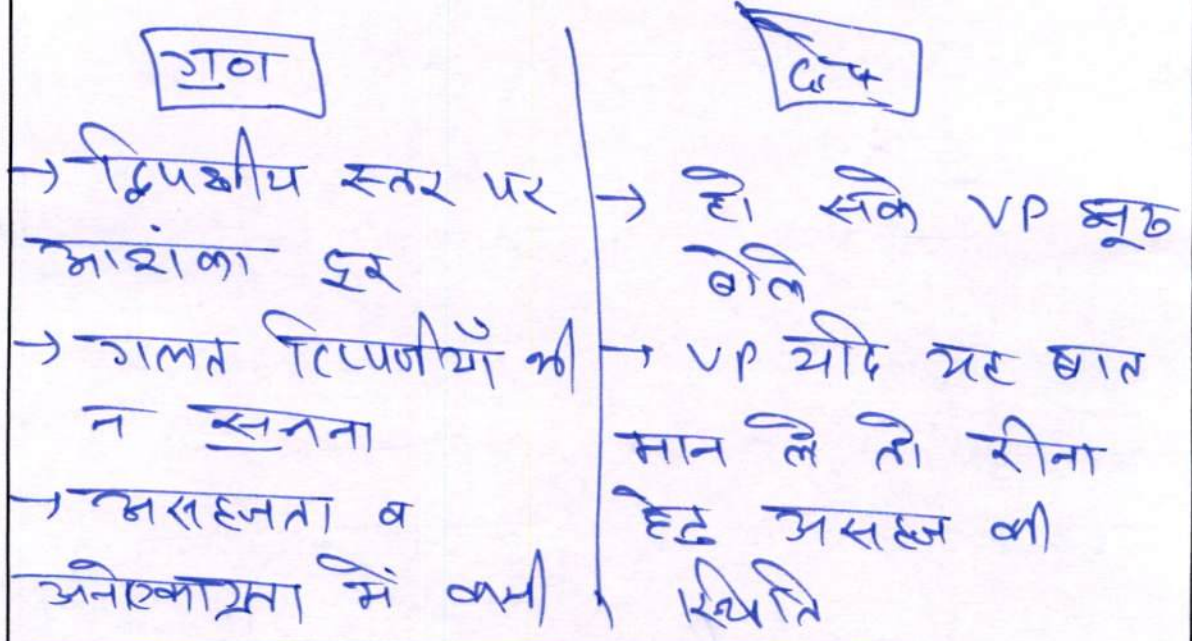
→ भाबंका के गभक पर उपलब्ध 62 राना

→ प्रबंधक मिलीगत की प्रबंध

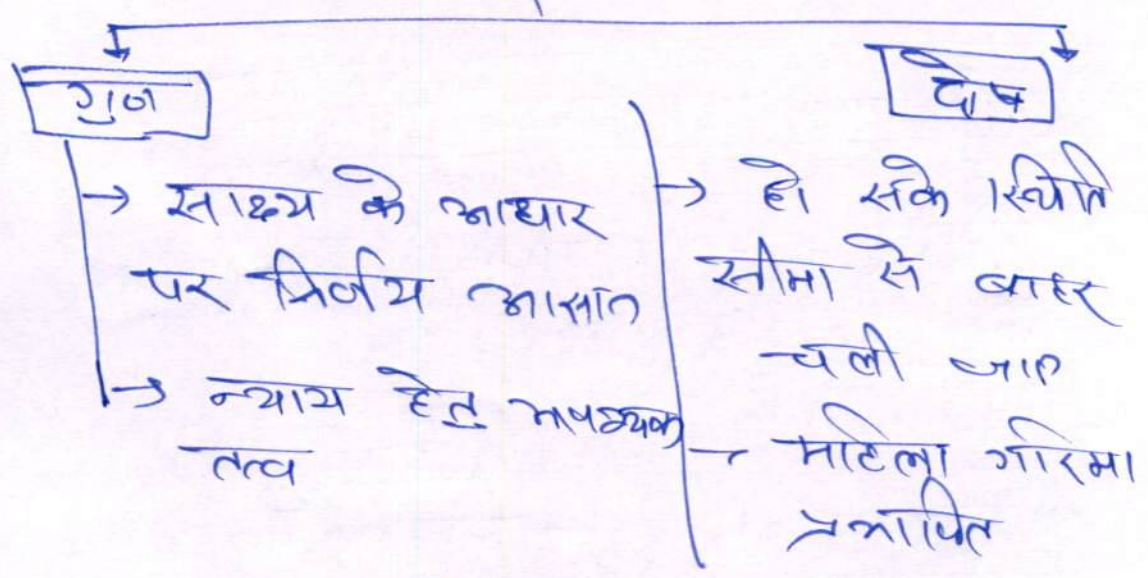
→ महिला संवेदनशीलता → निर्णय में देरी पर जोर की संभावना अधिक

उम्मीदवारों को इस हाथिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

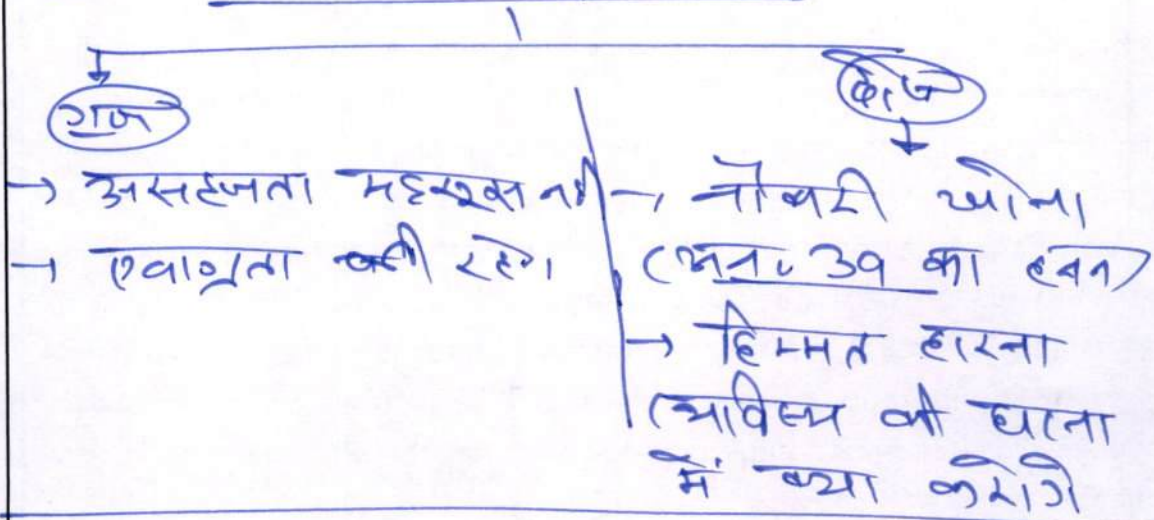
② रीना स्वयं VP को असहजता तथा एकाग्रता में काम के बारे में बताए।



③ रीना यह सब देखती जाए जब तक प्रत्यक्ष प्रमाण न मिले



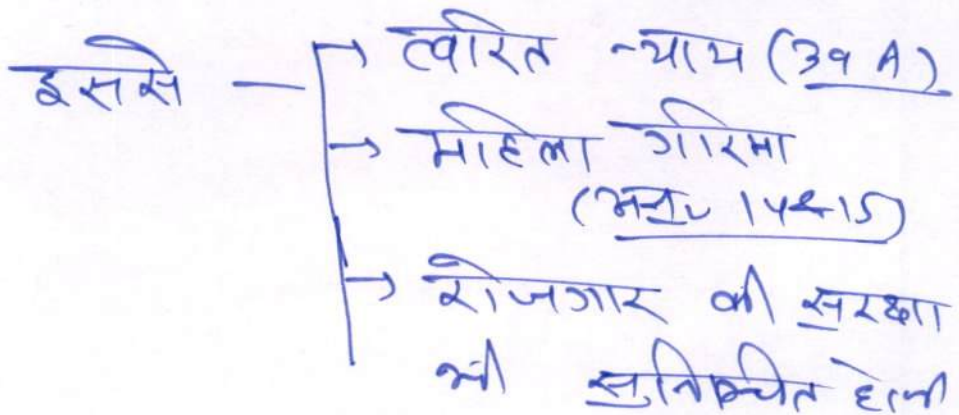
④ रीना नौबरी खोले दे



⑤ रीना को सर्वप्रथम VP स्वयं से बात कर अपनी माशंकाओं को बताना चाहिए।

यदि माशंकाएँ सही साबित हो तो इसकी रचना प्रबंधक को दे तथा POSH अधिनियम-2013 के तहत नैतिक शिकायत समिति (SCC) में

वाक दाखल करें



ततः इस दुन्द से निपटा

होगा।

9.

आपको हाल ही में एक ऐसे जिले में नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है, जहां परीक्षाओं में सामूहिक नकल एक नियमित घटना है। मीडिया रिपोर्ट्स में जिले में माध्यमिक विद्यालय की परीक्षा दे रहे छात्रों को उत्तर चिट देने के लिए माता-पिता और रिश्तेदारों को स्कूल की दीवारों एवं इमारतों को फांदते हुए दिखाया गया है। इसके अलावा, नए तकनीकी उपकरणों के आगमन के साथ, परीक्षाओं में नकल करना और अधिक परिष्कृत हो गया है एवं परीक्षा नियमों का खुले तौर पर उल्लंघन किया जा रहा है। जांच करने पर, यह पता चला है कि ये रैकेट कई स्कूल अधिकारियों द्वारा चलाए जाते हैं, जिनमें परीक्षा पर्यवेक्षक भी शामिल हैं, जो मुख्य रूप से शिक्षक हैं और वे मुनाफे के लिए एक-दूसरे से मिले हुए हैं। कर्मचारियों की कमी के कारण, पर्यवेक्षक कोई कार्रवाई किए जाने पर सामूहिक हड़ताल पर जाने की धमकी देते हैं। परीक्षाएं आयोजित करना, नकल के कारण उन्हें रद्द करना और पुनः परीक्षाएं कराना सरकार के लिए समय और धन की हानि है तथा यह दुष्चक्र चलता रहता है।

जिले के नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में, निम्नलिखित प्रश्नों का समाधान कीजिए:

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
- प्रस्तुत प्रकरण में आप समस्याओं का समाधान कैसे करेंगे?
- विभिन्न परीक्षाओं में नकल के खतरे से निपटने के लिए क्या दीर्घकालिक रणनीति अपनाई जानी चाहिए?
(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have recently been posted as a Nodal Education Officer in one of the districts, where mass cheating in examinations is a regular phenomenon. Media reports have shown parents and relatives scaling school walls and buildings to pass answer chits to students taking secondary school examinations in the district. Moreover, with the advent of new technological devices, cheating in examinations has become more sophisticated and exam rules are flouted openly. On investigation, it has come to your notice that these rackets are run by many school authorities, including exam invigilators who are mostly teachers, and they are hand in glove for profits. With a shortage of staff, invigilators threaten go on mass strikes if any action is taken. Conducting the exams, cancelling them on account of cheating and having re-exams are a loss of time and money for the government and this vicious cycle goes on.

As the Nodal Education Officer of the district, address the following questions:

- What are the ethical issues involved in the above case?
- How will you resolve the issues in the given case?
- What long-term strategy needs to be adopted to deal with the menace of cheating in various examinations? (Answer in 250 words)

20

यह केस स्टडी शिक्षा

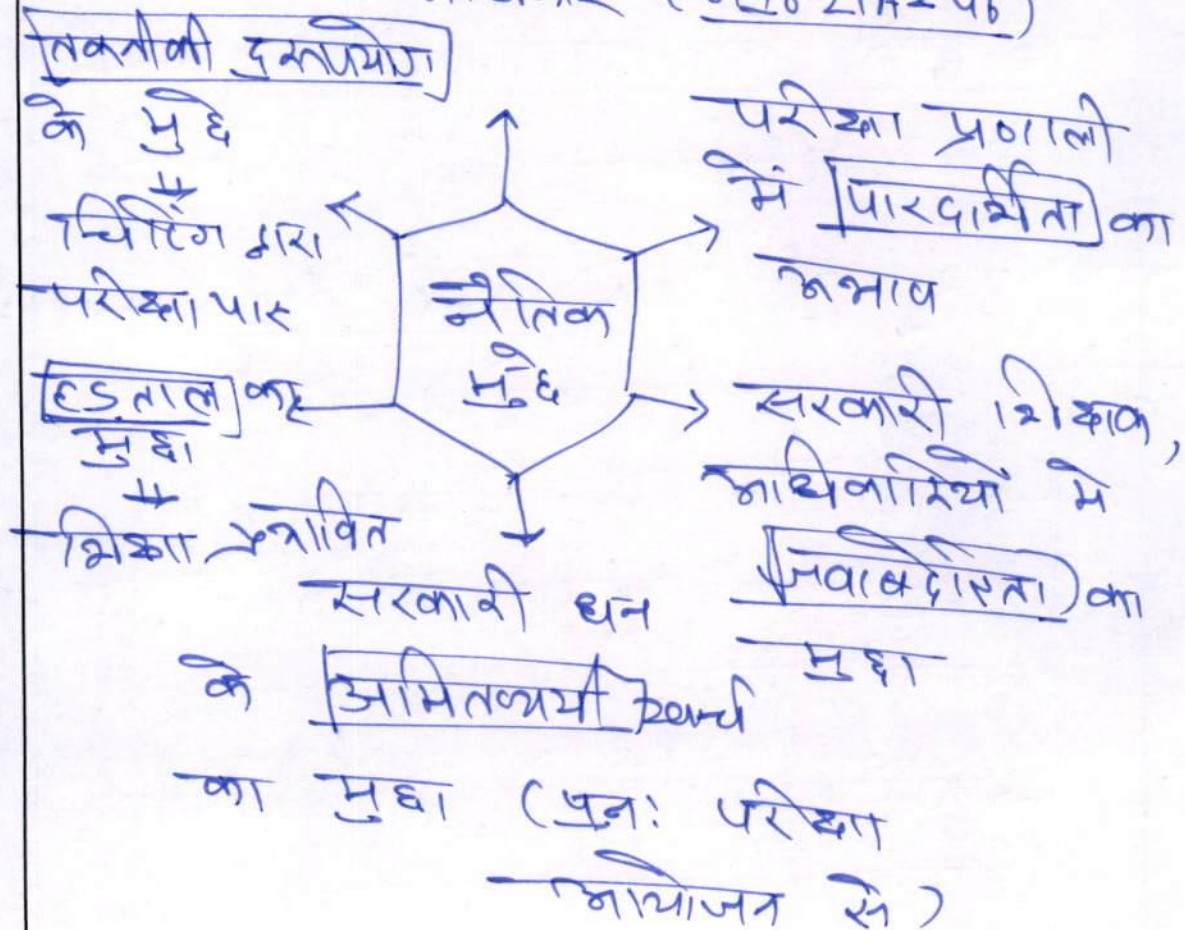
व्यवस्था में परीक्षा प्रणाली की
पारदर्शिता, नैतिकता जैसे मुद्दों को
संबंधित हैं।

उम्मीदवारों को
इस दृष्टि में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

(a)

ब्यामित्व नैतिक मुद्दे

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का
भाषाकार (अनु० 21A & 46)



⑥ नौटल शिक्षा भाधिकारी के रूप में मेरी प्रतिक्रिया।

① नकल रोक्ने हेतु :

- ऑनचक निरीक्षण व फ्लॉडिंग फरुत द्वारा प्रथका निगरानी
- भाधुनिक तजनीकी सिस्टम में पारदर्शिता हेतु Meity से सहायता मांगना

② शिक्षको तथा भाधिकारीयों पर कार्रवाई

चूंकि इस प्रकार में काश्चित

तौर पर पाई गई भित्तीभगत जंजु प्रक्रिया में सही साबित हो तो

- शिक्षको को निबंधन भयवा 17CC का कारण बताओ नोटिस जारी करना
- प्ररिका पर्यवेक्षको को त्पारित प्रभाव से हटाकर नया तंज लाना

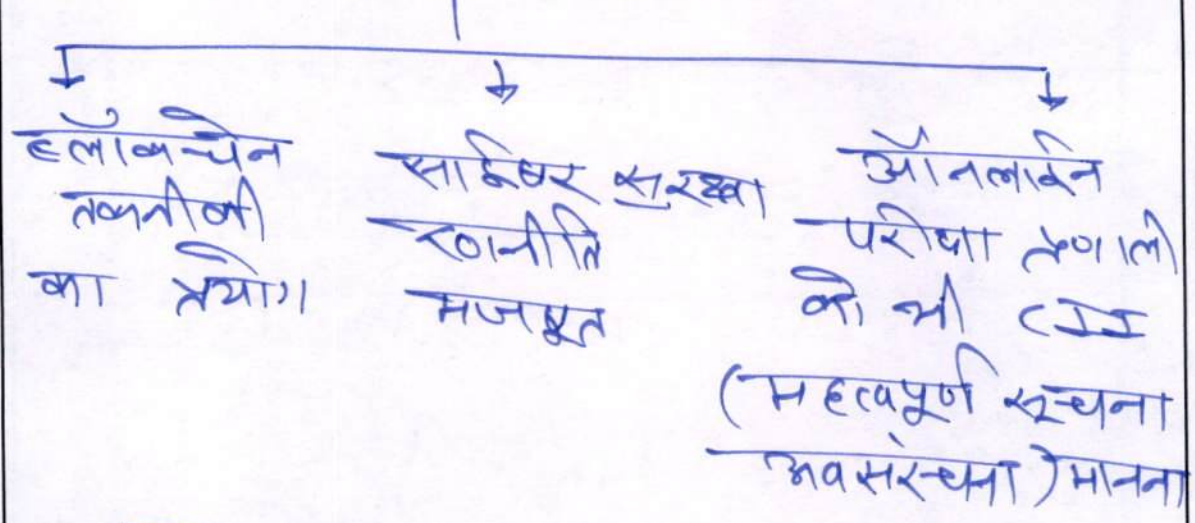
① विद्यार्थी के त्रिभारको हेतु

→ एच, त्रिभारिते पोरवर्तन हेतु
अननयन द्वारा त्रिकार के महत्व
तथा अनैतिक व्यवहार के प्रति
उनको गालती अहसास कराना।

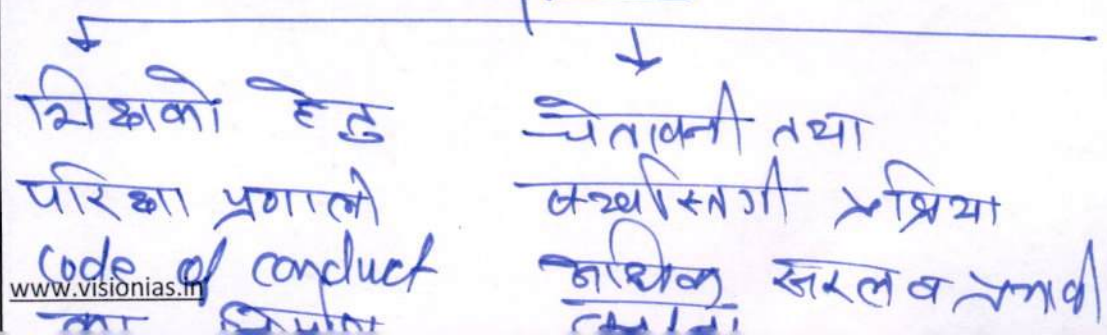
→ उन्हें यह सुनिश्चित कराना कि
तत्काल नए स्टाफ की त्रिभारिते
की जाएगी।

② दीर्घकालिक रणनीति

① तकनीकी स्तर पर :-



② विद्यालयी स्तर पर



③ सामुदायिक स्तर पर

- परीक्षा प्रणाली की नैतिकता का मन्त्रिभावकों को समझाना
- क्षमता निर्माण तथा शिक्षक-अभ्यर्थी को देवीय संज्ञा देकर भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रयोग करना।

इस प्रकार एक दीर्घकालीन रणनीति परीक्षा प्रणाली में व्याप्त नैतिक दुविधाओं से निपटने के साथ 2035 तक भारत को ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

10.

गहरे समुद्र में ड्रिलिंग के अनेक समर्थकों का तर्क है कि हिंद महासागर से बड़ी मात्रा में दुर्लभ-भू धातुओं के दोहन से भारत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को बढ़ावा देने, इसकी अर्थव्यवस्था और कार्यबल को मजबूत करने एवं रणनीतिक खनिजों की भरोसेमंद आपूर्ति प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इसे ध्यान में रखते हुए, सरकार ने समुद्र तल से 6,000 मीटर की गहराई में हिंद महासागर के तल से निकेल, कोबाल्ट, मैंगनीज और आयरन हाइड्रॉक्साइड के खनन की विधियों का अध्ययन करने के लिए 540 मिलियन डॉलर के एक कार्यक्रम को मंजूरी दी है। सरकार का तर्क है कि यह परियोजना 100 वर्षों तक भारत की संवृद्धि को शक्ति प्रदान कर सकती है। यह जलवायु परिवर्तन का भी अध्ययन करेगा, समुद्री वनस्पतियों और जीवों का पता लगाएगा एवं तापीय ऊर्जा का उपयोग करेगा।

हालांकि, एक प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण का आरोप है कि गहरे समुद्र में ड्रिलिंग से पर्यावरण को अत्यधिक खतरा है। स्वतंत्र भूवैज्ञानिकों द्वारा संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था पर एक व्यापक रिपोर्ट में कहा गया है कि "जब तक गहरे समुद्र में खनन की आवश्यकता और इसके संभावित परिणामों को बेहतर ढंग से नहीं समझा जाता है, तब तक इस अवधारणा को एक संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था की परिभाषा के साथ संरेखित करना वैचारिक रूप से कठिन है। इसके अलावा यह विभिन्न पर्यावरणीय, कानूनी और शासन संबंधी चुनौतियों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के संधारणीय विकास लक्ष्यों के साथ संभावित टकराव के मुद्दों को भी उत्पन्न करता है।"

यह इस बात पर भी प्रकाश डालता है कि सरकारी समर्थन या तुलनात्मक रूप से कम करों के बिना, राष्ट्रीय खनन कार्यों की लाभप्रदता संदिग्ध बनी हुई है। यदि परिचालन लाभदायक होता है, तो यह मानवता की साझी विरासत से प्राप्त संसाधन से होने वाले लाभ के न्यायसंगत बंटवारे के बारे में भी प्रश्न उठाएगा।

इसके अतिरिक्त, BMW, वोल्वो, गूगल और कोरियाई बैटरी निर्माता सैमसंग SDI जैसी कंपनियों ने एक बयान में गहरे समुद्र में खनन से उत्पन्न धातुओं को तब तक नहीं खरीदने की प्रतिबद्धता प्रकट की है, जब तक कि इस गतिविधि के पर्यावरणीय जोखिमों को "व्यापक रूप से समझा नहीं जाता" है।

उपर्युक्त जानकारी के संदर्भ में, निम्नलिखित पर ध्यान दीजिए:

- (a) प्रस्तुत प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
- (b) महासागरों की संधारणीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास के दृष्टिकोण को कैसे प्राप्त किया जा सकता है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Many proponents of deep-sea drilling argue that tapping into the vast amount of rare earth elements in the Indian Ocean will help shore up national security interests for India, bolster its economy and workforce, and offer a reliable supply of strategic minerals. Keeping this in mind, the government has approved a \$540-million programme to study ways of mining nickel, cobalt, manganese and iron hydroxide from the bed of the Indian Ocean 6,000 meters below sea level. The government argues that the project can power India's growth for 100 years. It will also study climate change, explore marine flora and fauna and harness thermal energy.

However, a competing point of view alleges that deep ocean drilling poses immense risk to the environment. A comprehensive report on Sustainable Ocean Economy by independent geologists states that "until the need for, and potential consequences of, deep-sea mining are better understood, the concept is conceptually difficult to align with the definition of a sustainable ocean economy and raises various environmental, legal and governance challenges, as well as possible conflicts with the UN Sustainable Development Goals."

It also highlights that the profitability of national mining operations, without governmental support or comparably low taxes, remains questionable. If the operations are profitable, it will also raise questions about the equitable sharing of profits derived from a resource taken out of humanity's common heritage.

Additionally, companies like BMW, Volvo, Google and Korean battery maker Samsung SDI, vowed in a statement to not buy metals produced from deep-sea mining until the environmental risks of the activity are "comprehensively understood."

In the context of the above-stated information, address the following:

- (a) What are the ethical issues in the given case study?
 (b) How can the vision of economic development of a nation be achieved without adversely affecting the sustainability of oceans? (Answer in 250 words)

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
 Candidates must not write on this margin

यह कैसे सही पर्यावरणीय
 संधारणीयता तथा आर्थिक सफलता
 के मध्य असंतुलन व टूटने को
 उजागर करती है, जिसमें

प्रमुख हितधारक

हित

① राष्ट्र

राष्ट्रीय सुरक्षा,
 रोजगार सुरक्षा,
 राजगार सुरक्षा

② पर्यावरणीय
 सक्रियकर्ता

पर्यावरण का
 सुरक्षण व सततता

③ BMW, Google जैसी
 कंपनियाँ

संसाधन तथा
 संधारणीय पंड्य

(v) इस प्रकार में शामिल

नैतिक मुद्दे

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

- 1) राष्ट्रीय सुरक्षा
- 2) राष्ट्र की भर्ष्यवस्था का विकास (गहरी डिड्लिंग से रहने की प्राप्ति)
- 3) रणनीतिक कृत
- 4) पर्यावरणीय सुरक्षण
- 5) समुद्री जैव-विविधता का सुरक्षण व विकास
- 6) महासागरीय भर्ष्यवस्था की स्वेधारणीयता ।
- 7) कानूनी चुनौतियाँ (उत्तु UNCLOS तथा ISA के कानून)
- 8) शासन स्वेबंधित मुद्दे
↳ High sea हेड कोडि UN की प्रथक संख्या नही
- 9) साथी विरासत सुरक्षण का मुद्दा

b) संघारणीयता तथा आर्थिक विकास
में संतुलनकारी हार्स्टिकीण

① संसाधनों का इत्तम व संघारणीय
दोहन करना

उदा. - $\left\{ \begin{array}{l} \rightarrow \text{मत्स्यन का वैज्ञानिक दोहन} \\ \rightarrow \text{IUU मत्स्यन पर प्रतिबन्ध} \end{array} \right.$

② अंतर्राष्ट्रीय समन्वयन को बढ़ावा
देना (अनु. 5 के तहत साधियों को
मानना)

$\left\{ \begin{array}{l} \rightarrow \text{UNCLOS को सन्ती राष्ट्रों द्वारा} \\ \text{अपनाना} \\ \rightarrow \text{जैव-विविधता सुरक्षण पर} \\ \text{अन्ध सागरीय संधि-2023 को} \\ \text{सन्ती राष्ट्रों द्वारा अपनाना} \end{array} \right.$

③ प्रथमवर्गीय बटको की पुनर्संस्थापना
करना

उदा. - UNFAG ने 2020-30 तक
इकोनोमिस्ट्स रिस्टारेशन फंड
घोषित किया है।

④ संघारणीय तबनीकी त्रयोग
द्वारा R E E तथा कर्षण सुरक्षा
बनाना

③ अ. 16 भूतपीय कर्षण लक्ष
संघारणीय कर्षण है जो 500 7
हेतु सहायक है।

⑤ एल इकोनॉमी में महासागरों को
शुला, प्रिसुठा तथा निमम माध्याम
जवस्था का भाग बनाना
↓
इसमें महासागरों का संघारणीयता
सर्वोपरि रखना।

इस प्रकार दीर्घकालीन
राजनीति, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग तथा
पर्यावरण मनुष्य तबनीकी द्वारा
महासागरीय संघारणीयता तथा संसाधनों
के विकास में संतुलन लाया
जा सकता है।

श्री वाई ने अपने समुदाय के सदस्यों द्वारा धार्मिक पूजा स्थल के निर्माण हेतु जंगल की तलहटी में स्थित एक शहर में 40 एकड़ जमीन खरीदी। पूजा स्थल की योजना में अनेक परस्पर जुड़ी इमारतों, बालकनियों और पानी के फव्वारों का निर्माण किया जाना था। पूजा का केंद्र होने के अलावा, इस स्थान का उद्देश्य दूर-दूर से आने वाले कई उपासकों के लिए आवास प्रदान करना है। योजना को देखने वाला हर कोई इस बात पर सहमत है कि संरचना असाधारण रूप से सुंदर साबित होगी। विडंबना यह है कि इस स्थल की सुंदरता क्षेत्र के स्थानीय निवासियों के बीच चिंता का मुख्य कारण बन गई है, जिनमें से एक बड़ा प्रतिशत एक अलग धार्मिक समुदाय से है। उनमें से कई लोगों का मानना है कि यह स्थान पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन सकता है, जिससे यातायात की समस्याएं पैदा हो सकती हैं और उनके पड़ोस की शांत जीवन शैली खराब हो सकती है। कम-से-कम, हजारों उपासकों के नियमित रूप से इस स्थान पर आने की उम्मीद है।

कई निवासी सोचते हैं कि उनका पड़ोस न तो इस आकार के परिसर के निर्माण और न ही इतने लोगों, जितनों को समायोजित करने की अपेक्षा की गई है, के लिए यह उपयुक्त है। यहां 1,500 लोगों तक के इकट्ठा होने की अपेक्षा की गई है, हालांकि साइट तक केवल एक दो लेन की सड़क उपलब्ध है। विरोधियों का तर्क है कि इतने ट्रैफिक से आवागमन में समस्याएं पैदा होंगी और बच्चों एवं साइकिल चालकों द्वारा यात्रा के लिए अत्यधिक प्रयोग की जाने वाली सड़कों पर खतरे पैदा होंगे। बढ़ते ट्रैफिक से पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

इस बीच अन्य लोग इस विरोध के पीछे एक और अधिक घातक कारण देते हैं: पूर्वाग्रह। उन्हें आश्चर्य है कि क्या पूजा स्थल पर आपत्ति जताने वाले लोग धार्मिक पूर्वाग्रहों से प्रेरित हैं।

लेकिन निर्माण का विरोध करने वालों का कहना है कि धर्म का इससे कोई लेना-देना नहीं है और वे ऐसे किसी भी प्रकार के विकास का विरोध करते हैं जिससे क्षेत्र में ट्रैफिक जाम हो। अतः, इस मामले में उन्हें सिर्फ आकार और स्थान को लेकर समस्या है।

विरोध के जवाब में, शहर के योजनाकारों ने निवासियों को आश्वासन दिया है कि क्षेत्र के लिए उपयुक्त शहर निर्माण संबंधी सभी दिशा-निर्देशों और ज़ोनिंग नियमों का पालन किया जाएगा। इसलिए उन्हें निर्माण की योजना रोकने का कोई कारण नजर नहीं आता।

हालांकि, विरोधियों का आरोप है कि शहर के योजनाकार सही पर्यावरणीय प्रभाव रिपोर्ट तैयार करने में विफल रहे हैं और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने उन निवासियों को ठीक से सूचित नहीं किया, जिनके प्रभावित होने की संभावना है, जबकि यह अभी भी योजना के शुरुआती, लचीले चरणों में है।

(a) आप एक जिला मजिस्ट्रेट हैं और यह क्षेत्र आपके क्षेत्राधिकार में आता है। दोनों पक्षों के लोग अपनी शिकायतें लेकर आपके पास आए हैं। आप दोनों दृष्टिकोणों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए क्या करेंगे?

(b) कार्रवाई के निम्नलिखित संभावित तरीकों के गुण और दोषों का उल्लेख कीजिए:

- (1) क्षेत्र के निवासियों के विरोध को नजरअंदाज करना और धार्मिक पूजा स्थल को मौजूदा नियमों के अनुसार बनाने की अनुमति दे देना।
- (2) नए पूजा स्थल पर भरोसा करने वाले हजारों उपासकों को निराश करते हुए, निवासियों से सहमत होकर निर्माण पर रोक लगा देना।
- (3) एक समझौते के रूप में, आपके द्वारा पूजा स्थल पर भवन निर्माण संबंधी अतिरिक्त नियमों को लागू किया जाना या डिजाइन में संशोधन पर बल दिया जाना। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mr. Y. purchased 40 acres of land in a city located in the forested foothill for the construction of a place of religious worship by members of his community. The plans for the worship place called for numerous interconnected buildings, balconies, and water fountains. In addition to being a centre for worship, the place is intended to provide a residence for many worshippers who travel from far-off locations. Everyone looking at the plan agrees that the structure should prove to be extraordinarily beautiful. Ironically, the beauty of the site has become a chief cause for concern among the local residents of the area, a significant percentage of whom belong to a different

religious community. Many of them believe that the place may become a tourist attraction, causing traffic problems and the degradation of the tranquil lifestyle of their neighbourhood. At the least, thousands of worshippers are expected to visit the place regularly.

Many residents think their neighbourhood is not suitable for a facility of this size, nor for the number of people it is expected to accommodate. The congregation plans to have gatherings of up to 1,500 people, though only a single two-lane road approaches the site. The traffic, opponents argue, will cause commuting problems and introduce hazards on roads frequented by children and bicyclists. Increased traffic could also have an adverse impact on the environment.

Meanwhile others see a more insidious reason behind the opposition: prejudice. They wonder if those who object to the worship place are motivated by religious biases.

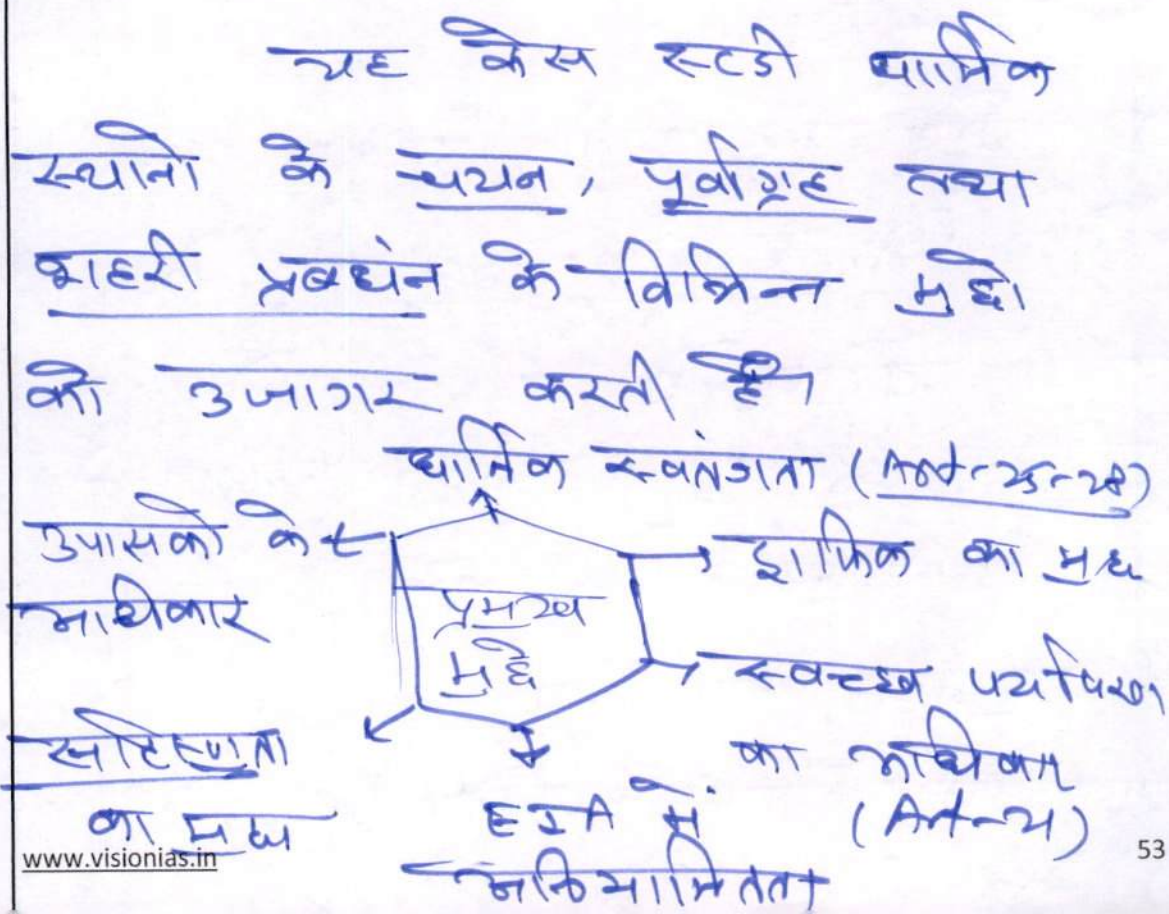
But those who oppose the construction insist that religion has nothing to do with it and they are opposed to any type of development that would lead to traffic congestion in the area. So, they just have an issue with the size and location in this case.

In answer to the opposition, city planners have assured the residents that all of the city's guidelines and zoning regulations relevant to the area will be followed. They see no reason to stop the plan of construction.

However, the opponents allege that the city planners have failed to prepare an adequate environmental impact report and, more importantly, did not properly notify residents, who are likely to be affected, while it was still in its nascent, flexible stages of planning.

- (a) You are a District Magistrate and the area lies in your jurisdiction. People from both sides have approached you with their grievances. What would you do to reconcile the two points of view?
- (b) Mention the merits and demerits of the following potential courses of action:
- (1) Ignore the opposition from the residents of the area and allow the place of religious worship to be built in accordance with the existing regulations.
 - (2) Prohibit the construction, agreeing with the residents while causing distress among the thousands of worshippers counting on the new place of worship.
 - (3) As a compromise, you place additional building regulations on the worship place or insist on modifications to the design. (Answer in 250 words)

20



(vi) वस्तुस्थिति व घटनास्थल के निरीक्षण के बाद मेरे कार्य प्रक्रिया है-

धार्मिक स्थल का विरोध करने वाला है।

① यातायात प्रबंधन मार्गों की जाँच कर उन्हें वैकालीक मार्गों को उपलब्ध कराना

② यदि HZA में अनियमितता है तो HZA का पुनः निरीक्षण हेतु आदेश देना।

③ यदि यह प्रतीत हो व लाभ्य हो कि धार्मिक पूर्वोद्गट के कारण विरोध हो रहा है तो प्रतिबंध वल द्वारा जानून व्यवस्था की पुनर्बहाली सुनिश्चित करना।

④ अनुनयन तथा हर प्रयोग व सामाजिक कोशल के प्रयोग से उन्हें मनाना।

समर्थन करने वाली छह कारियाएँ

- पर्यावरणीय प्रभावों का कोष
- पारििंग व्यवस्था तथा आवासीय रेजिडेंसी निर्माण के बाद ही पर्यटन को अनुमति देना।
- ECO-टूरिज्म के प्रचार करना।

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6

कार्यवाही

गुण

दोष

1

→ धार्मिक संतानों का नाशिकार सुरक्षित

→ सहरिष्ठाता का मूल्य सुरक्षित

→ पर्यावरणीय असंभारणीयता प्रथी के स्तैत का सूचक होगा।

→ शहरी समस्याओं का बर्ना-यातायात

2

→ पर्यावरण सुरक्षा व संरक्षण

→ अन्य समुदाय द्वारा समर्थन

→ शहरी संभारणीय प्रबंधन

→ एक कर्म के धार्मिक मूल नाशिकार प्रभावित

→ सहरिष्ठाता का आक जमजोर

→ मानिपार्यता रिश्तों (शिस्त्र मठ) का हनन

③ भवन संहिता का पालन
 → डिजाइनिंग द्वारा दोनो पक्षों में संतुलन
 → धार्मिक सीमाओं व पर्यावरण संतुलन बना रहा।

→ त्वरित निर्माण नहीं
 → धार्मिक उपकरणों में चिंता
 → कट्टरवादी तत्वों द्वारा धार्मिक उन्माद को जगाया जाना भी साबित हुआ

उम्मीदवारों को इस हाथिए में नहीं लिखना चाहिए
 Candidate must not write on this margin

अतः इन ग़लतियों के माध्यम पर उच्च कारिवाही द्वारा दोनो पक्षों में संतुलन एवं पर्यावरण धारणियता को महत्व देकर प्रकरण का समाधान किया जा सकता है।

आप एक ऐसे राजनीतिक दल के टिकट पर चुने गए जनप्रतिनिधि हैं, जिन्हें कई लोग रूढ़िवादी मानते हैं। आपकी बेटी, जो वर्षों बाद विदेश से पढाई करके लौटी है, ने आपको दूसरे समुदाय के व्यक्ति से शादी करने की अपनी इच्छा से अवगत कराया है। आप व्यक्तिगत रूप से उसकी पसंद में कुछ भी गलत नहीं मानते हैं और उसे अपनी सहमति से अवगत कराते हैं। आप अपने कई दोस्तों और परिवार वालों से भी इस बारे में चर्चा करते हैं और उन्हें बताते हैं कि आप अपनी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की योजना बना रहे हैं। हालांकि, आपके द्वारा आगामी भव्य शादी की खबर कई लोगों के साथ साझा करने के कुछ दिनों बाद, आपके राजनीतिक सचिव ने इसे एक मुद्दा बनाए जाने के बारे में सूचित किया है। वह आपको सूचित करता है कि आपके निर्वाचन क्षेत्र में कई लोगों के बीच इस बारे में कानाफूसी हो रही है और कुछ प्रमुख नागरिकों के बीच बेचैनी की भावना के संकेत हैं। हालांकि, उनमें से अधिकांश आपकी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की आपकी योजना से मंत्रमुग्ध हैं, किंतु वे दूल्हे के दूसरे समुदाय से होने के कारण नाखुश हैं। आपको पार्टी में अपने सूत्रों से यह भी पता चल रहा है कि दूल्हे की पसंद पर आपकी सहमति से आगामी चुनाव में हाईकमान आपको टिकट देने से इनकार कर सकता है। आप न केवल एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ और अपनी राजनीतिक पार्टी के एक उभरते सितारे हैं, बल्कि एक खुले विचारों वाले, प्यारे और स्नेही पिता भी हैं। लेकिन आप अपनी बेटी की आजादी और पसंद से कितना भी प्यार करते हों, आप नहीं चाहेंगे कि उसके फैसले का आपकी राजनीतिक यात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। यह तब और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, जब आप एक राजनेता के रूप में अपनी वर्षों की कड़ी मेहनत को देखते हुए, बड़ी जिम्मेदारियों और पार्टी में एक ऊंचे कद की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे थे। दूसरी ओर, आपकी बेटी अपनी पसंद पर दृढ़ है और नहीं चाहती कि उसकी होने वाली भव्य शादी किसी भी तरह से प्रभावित हो। वह इस बात पर अड़ी हुई है कि उसकी शादी केवल करीबी दोस्तों और परिवार के साथ एक निजी समारोह के रूप में आयोजित नहीं की जाएगी, बल्कि इसे भव्य तरीके से प्रचारित किया जाना चाहिए, जैसा कि आपने उससे पहले वादा किया था।

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
- एक पिता और एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ के रूप में आपके पास उपलब्ध विभिन्न विकल्प क्या हैं?
- आपकी कार्रवाई का तरीका क्या होगा? उचित तर्क सहित पुष्टि कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a public representative, elected on the ticket of a political party, considered as conservative by many. Your daughter, who has returned years after studying abroad, has conveyed to you her choice of marrying a person from another community. You personally do not consider anything wrong in her choice, and convey your assent to her. You also discuss it with many among your friends and family, and inform them of a grand wedding ceremony you are planning for your daughter. However, a few days after you have shared the news of the forthcoming grand wedding with many, you are informed by your political secretary about an issue being made of the same. He informs you that there are whispers among many people in your constituency about it, and indications of a sense of unease among some prominent citizens. While most of them are enamoured by your plans for a grand wedding ceremony for your daughter, they are unhappy about the bridegroom being from another community. You also get to know through your sources in the party, that your assent to the choice of the bridegroom may lead to a denial of ticket by the high command in the forthcoming elections. You are not only an ambitious politician and a rising star in your political party but also an open-minded, loving and doting father. But howsoever much you love your daughter's freedom and choices, you do not want her decision to adversely affect your political journey. This is more so, when you had been eagerly looking forward to greater responsibilities and a higher stature in the party, given the years of hardwork you have put in, as a politician. Your daughter, on the other hand, is firm with her choice and does not want her impending grand wedding to be affected in any way. She is adamant

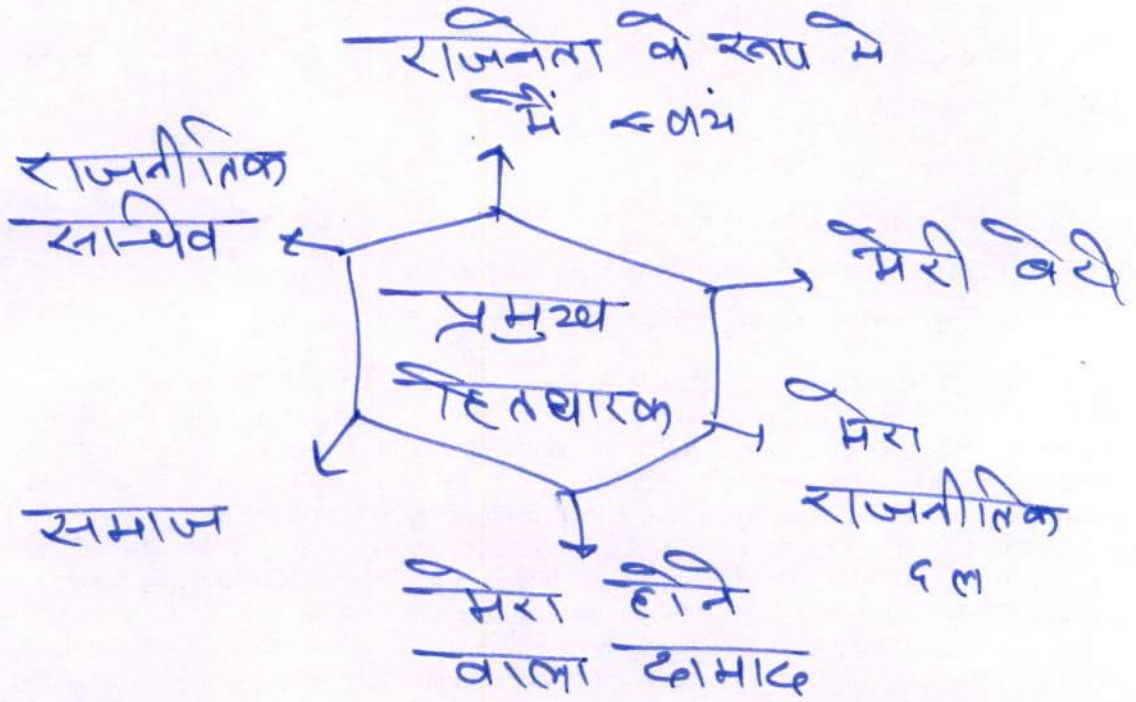
that her wedding will not be held as a private ceremony with only close friends and family, but should be publicised in a grand way, as you had promised earlier to her.

Given this situation, answer the following:

- What are the ethical issues in the above situation?
- What are the various options that you have, as a father and an ambitious politician?
- What will be your course of action? Justify with proper reasoning. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाथिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

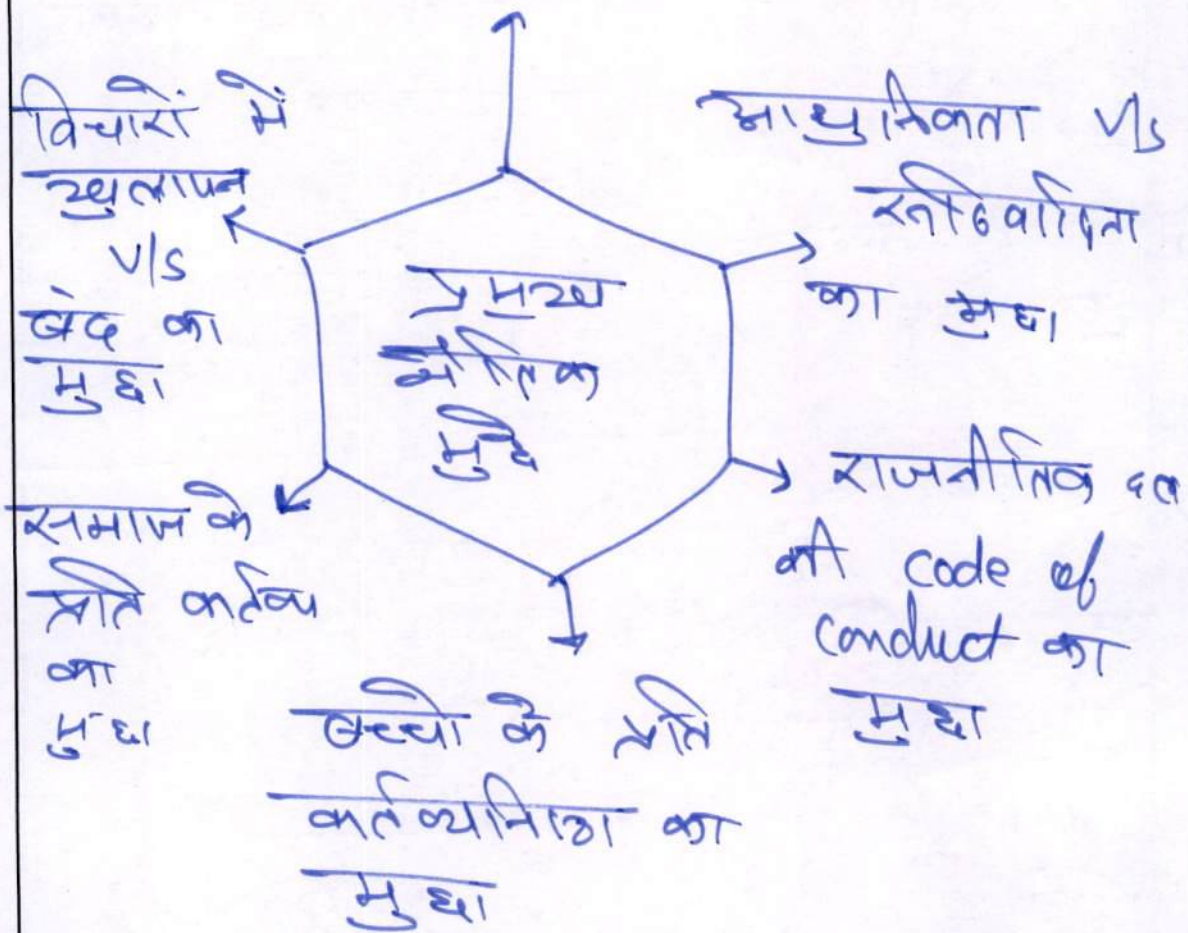
इस केस स्टडी में निजी जीवन तथा राजनीतिक जीवन में असंतुलन के तत्व सामने आ रहे हैं। जिसमें समाज की स्वीकार्यता तथा खूबियाँ जैसे मूल्य शामिल हैं।



इस प्रकार में शामिल मुद्दे

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

स्वतंत्र जीवन चयन का अधिकार (अनु. 21 के तहत)



अन्य मुद्दे

- ब्राह्मण का अधिकार
- स्वतंत्र निर्णय लेने का अधिकार
- राजनीति का निजी जीवन में से लिखना

मेरे पास उपलब्ध विकल्प

① बेटी को शादी का मना करना

गुण

(i) राजनीतिक महत्वकांक्षा तथा पद बना रहेगा

① मेरा करियर सुरक्षित

दोष

→ बच्ची के भाईजारी का चयन

→ बच्ची के ज्यार, शांतिपूर्ण जीवन में बाधा

② बेटी को विपरीत था मनु समुदाय के लड़के से शादी का ही करना !

गुण

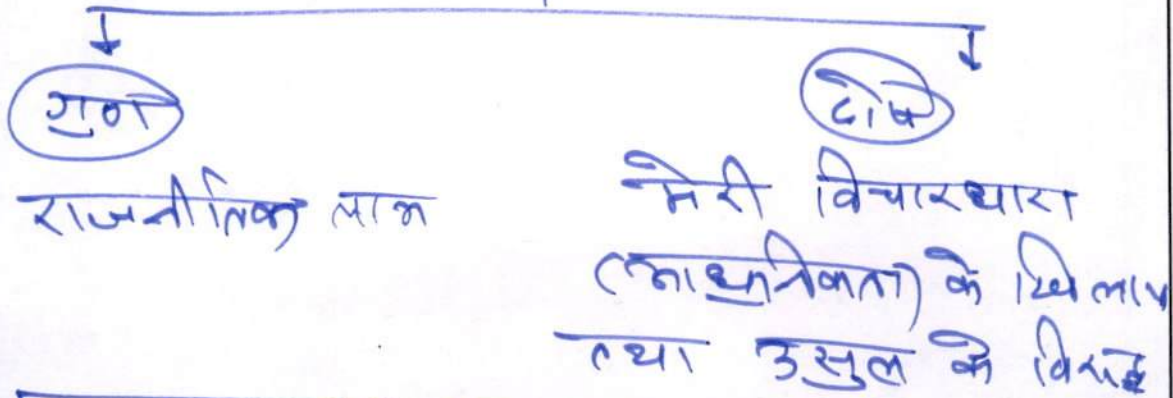
→ पारिवारिक हित संतुलित
→ जीवन की स्वतंत्रता तथा व्यय का अधिकार सुरक्षित

दोष

→ राजनीतिक हानि
→ रिश्तेदारों मिलने की बाधा

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

⑤ बेटी को सन्त विष्णुप बनाना



मैरी कारिवाई का तरीका

① बेटी के संदर्भ में :-

- विवाह की खूबी-खूबी मनुमति देना तथा प्रणय आयोजन (समाज की आवश्यकतानुसार) कराना
- इससे उसके जीवन की खूबी बनी रहना तथा मरिवाट प्रसिद्ध

② समाज व राजनीतिक दल के संदर्भ में

- पूर्व कठोरताओं को सामने लाना
- पॉलीपुड इंडस्ट्री या खेल-चेहरा (विराट कोहली) के जीवन का प्रसार
- राजनीतिक सचिक को हर कदम से समझाना कि निजी जीवन को राजनीति से दूर रखना
- इससे पारिवारिक संतुलन

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK